www.tamsasanket.com

वर्षः 29 || अंक 92 || अम्बेडकरनगर

मंगलवार

23 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:13
सूर्यास्तः 07:03
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07 >>

विशेष समाचार | युद्धविराम से आगे ... >>पेज 04 | एसटीएफ ने बिहार के... >>पेज 06 | अर्जुन कपूर की बहन अंशुला ...

एनीमेशन सेंटर व कोचिंग बना काल

15 की मौतें इनमें ज्यादातर स्टूडेंट्स

परिजनों से सीएम योगी बोले- किसी भी जिम्मेदार अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड मामले में KGMU में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें आश्वासन दिया कि इस घटना में जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी अधिकारी इस मामले में जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने बिल्डिंग से शव बाहर निकाले।
- फायरकर्मियों ने बगल के घर से बिल्डिंग की दीवार तोड़ी और अंदर दाखिल हुए।
- शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।
- आग जब फैली तो आसपास के लोग बचा लो, बचा लो चिल्लाते सुनाई दिए।
- जो छात्र नीचे कूदा उसके पेट में कई जगह ग्रिल घुस गई।

एसी शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

अभी आग लगने की वजह सामने नहीं आई है, लेकिन बेसमेंट में लगे AC में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। फायर ब्रिगेड की करीब 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। SDRF और NDRF भी पहुंची थीं। फायरकर्मियों ने बिल्डिंग की पीछे की दीवार को तोड़ा, जिससे शव निकाले हैं। इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था।

एंबुलेंस कम पड़ीं, डिप्टी सीएम पाठक रो पड़े

घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

दुर्घटना

लखनऊ की कोचिंग में आग, बचने के लिए बाथरूम में छिपे, दम घुटा, एसी में शॉर्ट सर्किट की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में सोमवार दोपहर 2:15 बजे एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और 12 पुरुष हैं। ज्यादातर स्टूडेंट्स हैं।

जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह अलीगंज इलाके में है। बेसमेंट, ग्राउंड और पहले फ्लोर पर पेट शॉप और क्लीनिक है। दूसरे फ्लोर पर लर्निंग स्पेस नाम की लाइब्रेरी (कोचिंग) और हेड हॉपर स्टूडियो है, जिसमें 3D आर्ट प्रोडक्शन और गेम एसेट आउटसोर्सिंग का काम होता है।

जानकारी के मुताबिक, आग फैलने के बाद दूसरे फ्लोर पर चल रही कोचिंग में छात्रों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया था। जान बचाने के लिए जयंत नाम का एक बच्चा पहले फ्लोर से कूद गया, वहीं 5 लोग तारों के सहारे लटककर नीचे उतरे। योगी आदित्यनाथ ने ट्रॉमा सेंटर में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। कहा- इस घटना में जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। योगी घटनास्थल भी पहुंचे थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ आ रहे हैं।हादसे में सुखमणि (23) की मौत हो हुई है। उनके दोस्त यश ने बताया- सुखमणि 3D एनीमेशन के ऑफिस में चार साल से नौकरी कर रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

- सीएम योगी ने मृतकों को 5-5 लाख के मुआवजे का किया ऐलान वहीं घायलों को 50-50 हजार का मुआवजा
- पीएम मोदी ने मृतकों को 2-2 लाख के मुआवजे का किया ऐलान वहीं घायलों को 50-50 हजार का मुआवजा

जो छात्र नीचे कूदा उसके पेट में कई जगह ग्रिल घुस गई।

बिल्डिंग के अंदर फंसे एक युवक को बाहर निकाला गया। वह रोए जा रहा था।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक खुद को रोक नहीं पाए। वह भी रोने लगे। बोले- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले- रात में ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा

अग्निकांड पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, घटना बहुत दुखद है, 15 बच्चे हताहत हुए हैं। रात में पोस्टमार्टम की व्यवस्था की जा रही है। टीमें बना दी गई है। घायलों का अच्छे से इलाज हो रहा है। हमने स्वयं घायलों से बात की है। एक को अधिक चोट लगी है, उसका ऑपरेशन जारी है। इस घटना से मेरा मन बहुत दुखी है।

स्थानीय प्रशासन ने मृतकों और घायलों की सूची जारी की

मृतकों में सागर, नीलेश, अनामिका, संयम, अनुछा, सुखमनी, आदित्य श्रीवास्तव, ज्योति, भविष्य, अब्दुल रहमान, सूरज भाह, भाहजान, जयनिल चक्रवर्ती, मोहम्मद अम्मार और सुमल्या हैं

घायलों में जयंत, लवप्रीत, मोहम्मद आसिफ, भुवन श्रीवास्तव, पंकज, शैलेन्द्र, अभिषेक, पंकज जोशी और गौरव कुमार शामिल

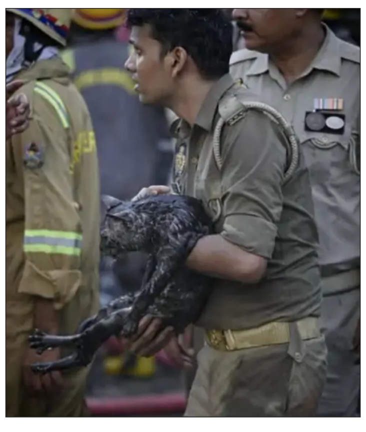

पेट शॉप से पुलिसकर्मियों ने बिल्ली और डॉग का रेस्क्यू किया।

सीएम योगी का आगरा दौरा रद्द, लखनऊ अग्निकांड के बाद फैसला धरी रह गईं प्रशासन की तैयारियां

कोचिंग और एनीमेशन सेंटर में लगी आग से कई छात्र-छात्राओं की मौत पर शोक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित एक कोचिंग सेंटर और एनीमेशन सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की मौत की घटना पर अखिलेश यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि सभी घायल छात्र-छात्राओं को तत्काल और बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि उनकी जान बचाई जा सके और वे जल्द स्वस्थ हो सकें।

योगी ने केजीएमयू में पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेडिकल कॉलेज (KGMU) पहुंचे, जहां उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

घरवाले फूट-फूटकर रोते रहे, हादसा देख सीएम योगी भी भावुक हुए

सीएम ने दी सान्त्वना

हादसे के वक्त सीएम योगी अलीगढ़ में थे। रात में भी उनका वहीं रुकने का प्रोग्राम था। जैसे ही आग लगने की खबर मिली योगी अलीगढ़ से सीधे लखनऊ के अलीगंज पहुंचे। यहां का सीन देखकर वह भावुक हो गए।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर लखनऊ महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों और नेताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर स्थिति का जायजा लिया और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

आवासीय इमारत को 2014 में कमर्शियल बनाया, 16 लोगों पर कार्रवाई हो सकती है

इमारत का नक्शा रामेश्वरम ग्रुप के मालिक वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, सुरेंद्र प्रताप और धीरेन्द्र प्रताप शुक्ला के नाम से पास था। आवासीय नक्शा पास था। 2014 में कमर्शियल बना दिया था। तत्कालीन अफसरों और इंजीनियरों पर कार्रवाई करने के लिए लिस्ट तैयार कर ली गई है। 16 आरोपी हैं। नगर निगम 2022 से बिल्डिंग से कमर्शियल टैक्स ले रहा था।

लखनऊ अग्निकांड के बाद वाराणसी में फायर डिपार्टमेंट एक्शन में आ गया है। दुर्गाकुंड, साकेत नगर के कोचिंग सेंटर पर फायर सेफ्टी इंतजामों को परखा है।

मायावती ने जताया शोक

बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी घटना पर शोक व्यक्त करते हुए 'एक्स' पर कहा, ''उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के एक कोचिंग सेंटर में आज दोपहर बाद हुई अग्निकाण्ड में अनेक लोगों की मौत तथा और भी कई लोगों के घायल हो जाने की घटना अति-दुखद। उन्होंने आगे कहा, ''इस प्रकार की जानलेवा घटनायें दिल को दहलाने वाली होती हैं तथा कितने ही परिवार की उम्मीदों को बिखेर देती हैं।

जिस इमारत में आग लगी, वो रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज के मालिक की

लखनऊ में आग लगी जिस बिल्डिंग को लेकर जानकारी सामने आई है कि यह वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर बनी है। बताया जा रहा है कि वे रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज से जुड़े हैं, जिसे रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (RITM) के नाम से भी जाना जाता है। यह लखनऊ का एक प्रमुख निजी संस्थान है, जिसकी स्थापना 2008 में हुई थी। यह डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU) से संबद्ध तथा AICTE से मान्यता प्राप्त है।

अमेरिका ने ईरान के तेल बेचने पर प्रतिबंध हटाया

अगले 60 दिन भारत भी खरीद सकता है

फैसला

तमसा संकेत,एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री पर लगी पाबंदियों में 60 दिन की ढील दे दी है। यह फैसला स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया है।

अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ईरानी मूल के कच्चे तेल, पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन, डिलीवरी और बिक्री के लिए अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी किया है। यह छूट 21 अगस्त तक लागू रहेगी। इससे भारत समेत कई देश फिर से ईरानी तेल खरीद सकेंगे। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता के दौरान ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में बिना रोक-टोक आवाजाही बनाए रखने का भरोसा दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- ईरान में फिर तैनात होंगे यूएन के न्यूक्लियर इंस्पेक्टर

टूटः शिंदे बोले- छक्का लगाया, आदित्य ने पाला बदलने वालों को बिकाऊ कहा

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

तमसा संकेत,एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में सोमवार को फिर बगावत हो गई। लोकसभा के कुल 9 से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंद की शिवसेना में शामिल हो गए। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेस कर इसका ऐलान किया। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था, तब 40 विधायक थे और अब हमने छक्का लगाया है। हमारी लड़ाई बालासाहेब के विचारों को बचाने के लिए है, इसीलिए आज ये 6 सांसद बालासाहेब की असली शिवसेना में शामिल हुए।' इससे पहले सभी बागी सांसदों ने शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। उद्धव के शिवसेना का मुखिया रहते पार्टी में 4 साल में यह दूसरी बड़ी बगावत है। 1991 में बालासाहेब ठाकरे के रहते पार्टी में बगावत हुई थी, तब छगन भुजबल 14 विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

6 सांसदों ने सोमवार को मुंबई में एकनाथ शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी बदलने का ऐलान किया।

सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए

उद्धव ठाकरे ने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा, 'उन्हें (बागी सांसदों को) अपना पक्ष रखने दीजिए। सही समय आने पर हम अपना पक्ष रखेंगे।' उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे ने X पर लिखा, 'पार्टी छोड़ने वाले सांसदों ने साबित कर दिया है कि उनकी वफादारी बिकाऊ है। कम से कम यह मान लीजिए कि लालच की वजह से आपने रातोंरात बिना किसी शर्म के यह सब छोड़ दिया।'

बालासाहेब ठाकरे की मुखिया रहते शिवसेना में पहली बगावत 1991 में हुई थी। पार्टी के नेता छगन भुजबल 14 विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे। 1999 में शरद पवार जब कांग्रेस से अलग हुए तो छगन भी साथ चले गए। पवार ने एनसीपी बनाई। 2023 में एनसीपी में टूट हुई तो वे अजित पवार गुट के साथ आ गए।

गॉडजिला अल नीनो से सूखे का खतरा बढ़ा

समुद्र में बढ़ रही गर्मी से मानसून कमजोर हुआ

चिंता

तमसा संकेत,एजेंसी

नई दिल्ली। भारत समेत दक्षिण एशिया के कई देशों में सूखे और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह अल नीनो की मजबूत स्थिति है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (JPL) के मुताबिक पश्चिमी प्रशांत महासागर में 1997 के बाद ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं।

29 साल पहले इतिहास का सबसे शक्तिशाली अल नीनो बना था, जिसे सुपर या गॉडजिला अल नीनो कहा गया। जून 2026 में वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पिछले कुछ दशकों का सबसे प्रभावशाली अल नीनो हो सकता है। नासा के सैटेलाइट ने समुद्र में जमा हो रही भारी मात्रा में गर्मी की फोटो और आंकड़े जारी किए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

- दुनियाभर में सूखे-बाढ़ की आशंका
- एनओएए ने 11 जून को अल नीनो की घोषणा की थी

बस्ती में कार क्षतिग्रस्त, यूनिपोल गिरने से सड़क जाम, मानसून बॉर्डर पर अटका

यूपी के 6 शहरों में आंधी बारिश, पेड़-पोल उखड़े

मौसम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज/ कानपुर। यूपी में मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। भीषण गर्मी के बीच सोमवार दोपहर को अचानक मौसम बदल गया। गोरखपुर, बस्ती, मऊ, गाजीपुर और बलिया में झमाझम बारिश हुई। बस्ती में आंधी-बारिश की वजह से पेड़-पोल उखड़ गए। एक पेड़ उखड़कर कार पर गिरा। उसका पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क पर यूनिपोल गिरने से भारी ट्रैफिक जाम लग गया। गोरखपुर और सिद्धार्थनगर में आंधी के साथ बारिश हुई। गाजीपुर में सुबह से कई बार तेज हवा के साथ रुक-रुक कर बारिश हुई। बलिया में भारी बारिश की वजह से सड़कों पर पानी भर गया। मऊ में भी 10 मिनट तक हल्की बारिश हुई। लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली।

इसके अलावा, ज्यादातर शहरों में मौसम साफ है। गर्म हवाएं चल रही है। बादलों की आवाजाही की वजह से उमस बढ़ गई है। 38 जिलों में हीटवेव (लू) चल रही है। 5 जिलों मऊ, चंदौली, बलिया, गाजीपुर और सोनभद्र में बारिश का अलर्ट है।

सड़क पर यूनिपोल गिर गया। इससे लंबा जाम लग गया।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया यूपी में 3 दिन भीषण गर्मी चलेगी। पारा लगातार बढ़ता रहेगा। लू की स्थिति और गंभीर होगी। मानसून की रफ्तार अब भी धीमी है। फिलहाल मानसून की एंट्री के हालात नहीं बन पाए हैं। मानसून के लिए अभी कम से कम 3-4 दिन इंतजार करना पड़ सकता है।

तस्वीरें बस्ती की हैं। आंधी-बारिश की वजह से पेड़ और पोल उखड़ गए।

सिद्धार्थनगर में तेज हवाओं के साथ बारिश, आसमान में घने बादल छाए

सिद्धार्थनगर में तेज हवाओं के साथ करीब 15 मिनट तक बारिश हुई। हवा की रफ्तार लगभग 80 किमी प्रति घंटा रही। बारिश फिलहाल थम गई है, लेकिन आसमान में घने बादल छाए हुए हैं।

दुधवा टाइगर रिजर्व में वाटर होल्स और जलाशयों में घंटों समय बिता रहे बाघ

लखीमपुर में पड़ रही भीषण गर्मी का असर इंसानों के साथ-साथ वन्यजीवों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। दुधवा टाइगर रिजर्व में बाघ गर्मी से राहत पाने के लिए वाटर होल्स और जलाशयों में घंटों समय बिता रहे हैं। जंगल में बनाए गए प्राकृतिक और कृत्रिम जलस्रोत इस मौसम में वन्यजीवों के लिए बड़ा सहारा बने हुए हैं।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की निष्पक्ष जांच हो

युवक ने चढ़ावा चोरों का नाले में पिंडदान किया

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के विरोध में वाराणसी के समाजसेवी रघुकुल यथार्थ शिवांशु ने रविवार को अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। कंदवा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कथित ₹चंदा चोरों₹ का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान कर भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। रघुकुल यथार्थ ने कहा - भगवान श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। ऐसे में यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे जुड़े किसी भी कार्य में वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तो उनकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराई जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दान की प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसी स्तर पर चंदे के धन का दुरुपयोग हुआ है तो यह करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ विश्वासघात के समान है।

प्रतीकात्मक पिंडदान कार्यक्रम के माध्यम से समाजसेवी ने भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के खिलाफ जनजागरण का संदेश देने का प्रयास किया।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में 8 तालों में बंद ताजिया बाहर निकाला गया

वाराणसी। वाराणसी के दोषीपुरा स्थित बारादरी इमामबाड़े में मोटे शाबान का ताजिया; मस्जिद बारादरी से निकालकर 6 मोहर्रम (सोमवार) को रखा गया। यह ताजिया 200 साल पुराना है और साल 1981 से 6 मोहर्रम को यह ताजिया मस्जिद में बने हुजरे से पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में 8 तालों की सील हटाकर बाहर निकाला गया।

पूर्वांचल डिस्कॉम के एमडी का बड़ा एक्शन

वाराणसी। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम (डिस्कॉम) के प्रबंध निदेशक (एमडी) शंभु कुमार ने ट्रांसफार्मरों के रखरखाव और मेंटेनेंस में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

एमडी ने एक अधिशासी अभियंता (XEN) और दो उपखंड अधिकारियों (SDO) के वेतन से कुल लगभग 10.34 लाख रुपये की वसूली के आदेश जारी किए हैं। संबंधित अधिकारियों को आरोप पत्र भी जारी कर दिए गए हैं और उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

किशोरी से रेप का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज में 14 साल की नाबालिग किशोरी से रेप करने वाले आरोपी मुर्शरफ को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगी थीं। पूरामुफ्ती इलाके में छापेमारी के दौरान पुलिस की घेराबंदी हुई तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

मां रोते हुए बोली- मेरे बच्चे को ढूंढ दो, फिर बेहोश हुई

'पापा आग लग गई, बाथरूम में हूं बचा लो'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'पापा मुझे बचा लीजिए, अब मैं बच नहीं पाऊंगा। आग पूरी बिल्डिंग में फैल चुकी है। हम लोगों ने खुद को बाथरूम में बंद कर लिया है। यहां भी धुआं भर रहा है। बहुत घुटन हो रही है।' यह बात लखनऊ कोचिंग अग्निकांड में फंसे एक छात्र ने रोते-रोते अपने पिता से फोन पर कही। पिता बेटे की आखिरी कॉल पर भागते हुए मौके पर पहुंचे। अपने बेटे की तलाश करते रहे। लोगों को मोबाइल पर फोटो दिखाकर बेटे के बारे में पूछते रहे। वहीं, मौके पर पहुंची एक मां लोगों से अपने बेटे को ढूंढ देने की गुहार लगाते-लगाते बेहोश हो गई।

इस बिल्डिंग में पेट शॉप भी है। आग में कई लोगों के पेट (कुत्ते-बिल्ली) फंस गए। अपने पेट के फंसने की बात पता चलते ही एक महिला फूट-फूटकर रोने लगी। आग में फंसे बच्चों के मां-बाप डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और अफसरों के आगे हाथ जोड़कर अपने बच्चों की तलाश करने की गुहार लगाते रहे।

पिता बोले- बेटे का फोन आते ही मैं कोचिंग की ओर भागा

प्रभुज्योति सिंह ने बताया- करीब ढाई बजे मेरे बेटे सुखमनी सिंह का फोन आया। उसने कहा कि पापा आग लग गई है, हमें बचा लीजिए। इसके बाद उसका फोन कट गया। मैं भागकर यहां पहुंचा। रास्ते भर से एम्बुलेंस और फायर बिग्रेड को भी कॉल करता रहा। लेकिन, उनका नंबर लगने में काफी टाइम लग गया।अब तक मेरी अपने बेटे से दोबारा बात नहीं हो पाई है। उसका फोन बंद आ रहा है। यह बताते-बताते प्रभुज्योति सिंह फूट-फूटकर रोने लगे।

21 साल पुराना सपा ऑफिस ढहाया

तड़के 4 बजे बुलडोजर लेकर पहुंची टीम, मुलायम सरकार में पट्टा दिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। यूपी के सीतापुर में सरकारी जमीन पर बने सपा कार्यालय को सोमवार तड़के बुलडोजर से ढहा दिया। जिला प्रशासन सुबह 4 बजे 5 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचा। 4 बुलडोजरों ने 2 घंटे में कार्यालय को जमींदोज कर दिया। मलबा भी हटा दिया गया। इस दौरान 25 पुलिसकर्मी और 50 पीएसी जवान तैनात रहे। सपा कार्यालय 21 साल पहले 2500 स्क्वायर फीट जमीन पर बनाया गया था। सरकारी नजूल की जमीन पर सपा कार्यालय के नाम पट्टा दिया गया था। हालांकि, 4 महीने बाद ही पट्टा निरस्त कर दिया गया। उस वक्त मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। पट्टा निरस्त होने के बाद भी यहां सपा कार्यालय चलता रहा। 15 दिन पहले जिलाधिकारी कोर्ट ने सपा जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव को नोटिस भेजा था। उन्हें रविवार तक कार्यालय खाली करने का समय दिया गया था। बुलडोजर कार्रवाई से 24 घंटे पहले सपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय खाली करा दिया था। नगर पालिका की अधिशासी अधिकारी (ईओ) सीमा सिंह ने बताया, '15 जनवरी, 2005 को तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष राधेश्याम जायसवाल ने टाउन हॉल परिसर की नजूल भूमि सपा के जिला कार्यालय के लिए आवंटित की थी। इसके लिए किराया सिर्फ 100 रुपए तय किया गया था।' उन्होंने बताया, '2500 स्क्वायर फीट जमीन पर एक हॉल और दो कमरे बनवाए गए थे। हालांकि, कुछ ही महीनों बाद आवंटन विवादों में आ गया। जांच के दौरान आवंटन प्रक्रिया में नियमों और कानूनी प्रावधानों के पालन में अनियमितताएं सामने आईं।

कार्रवाई के दौरान सदर एसडीएम डॉ. जर्नादन कुमार समेत कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

सपा सांसद बोले- बीजेपी को इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा

धौरहरा से सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा- कार्यालय के मामले में कानूनी रूप से हमारा पक्ष कमजोर था, लेकिन जिस तरह से सुबह-सुबह बुलडोजर लगाकर भाजपा ने कार्यालय को गिराया, उसे समाजवादी कभी नहीं भूलेंगे। जनता जरूर भाजपा का गुरूर तोड़ेगी। बीजेपी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष बोले- जो भी नियम के खिलाफ होगा

सीतापुर के भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार में कानून अपना काम करता है। जो भी नियमों के खिलाफ होगा, उसके खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करेगा।

कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ बैठक, 393 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे

सीएम योगी ने आईटीएम कॉलेज का किया निरीक्षण

> अलीगढ़ कलेक्ट्रेट परिसर के लगभग 200 से 300 मीटर के दायरे को खाली करा लिया गया है। लोगों को हटा दिया गया है। मीडियाकर्मियों को भी परिसर में जाने की अनुमति नहीं है।

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। सीएम योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ पहुंच गए हैं। वे यहां करीब 393 करोड़ रुपए की 10 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। साथ ही वे जनसभा को संबोधित कर शहरी विकास और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण सौगातें देंगे।

अलीगढ़ पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री सबसे पहले करसुआ स्थित आईटीएम कॉलेज पहुंचे। जहां से उन्होंने राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया और विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट सभागार में अलीगढ़ मंडल के लोक निर्माण विभाग (PWD) की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में पुराने और नए विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जिले की विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा करेंगे।

समीक्षा बैठकों के बाद मुख्यमंत्री राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी (नुमाइश मैदान) पहुंचेंगे। जहां वे अलीगढ़ सदर, कोल विधानसभा क्षेत्र और नगर निगम क्षेत्र की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जनसभा के बाद मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचेंगे, जहां उनका रात्रि विश्राम निर्धारित है।

सांसद बोले- कुछ लोगों को विकास नहीं दिखाई देता

अलीगढ़ सांसद सतीश कुमार गौतम ने कहा- कुछ लोगों को विकास नहीं दिख रहा, लेकिन अब आज अलीगढ़ में घुसेंगे तो दिल्ली के कनॉट प्लेस सा एहसास होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नुमाइश ग्राउंड में सुनने के लिए 10000 लोगों की भीड़ मौजूद है।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी का निरीक्षण करेंगे

दोपहर 1 बजे हेलीकॉप्टर से करसुआ स्थित आईटीएम कॉलेज पहुंचेंगे। यहां से दोपहर 1:30 से 2 बजे तक राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। यहां से दोपहर 2:30 से 3:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में अलीगढ़ मंडल के PWD के पुराने और नए विकास कामों की बड़ी समीक्षा बैठक लेंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट में ही जिले के विकास कामों और कानून-व्यवस्था की कानूनविदों व अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। यहां से राजकीय औद्योगिक एवं कृषि प्रदर्शनी (नुमाइश मैदान) मैदान पहुंचेंगे। यहां वे अलीगढ़ सदर, कोल विधानसभा और नगर निगम के विभिन्न विकास कामों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

लिंकेज कैंप, ग्रामीणों ने उठाया विभिन्न सेवाओं का लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ग्राम पंचायत सेमराय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एवं नाबार्ड के तत्वावधान में, क्रिसिल फाउंडेशन के सहयोग से एक दिवसीय लिंकेज कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का संचालन सेंटर मैनेजर लवकुश कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को वित्तीय सेवाओं, सरकारी योजनाओं तथा पहचान संबंधी सुविधाओं से जोड़ना था।

कैंप में ग्रामीणों की भारी भागीदारी देखने को मिली। इस दौरान 2 से 5 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड निःशुल्क बनाए गए तथा आधार से जुड़े मोबाइल नंबर अपडेट करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। इससे अभिभावकों को काफी राहत मिली, क्योंकि उन्हें इन कार्यों के लिए दूरस्थ केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

इसके अतिरिक्त कैंप में नए बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई तथा इच्छुक लोगों के खाते भी खोले गए। वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बैंक खाता होने से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाना आसान हो जाता है।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। 1 से 10 वर्ष तक की बालिकाओं के लिए इस योजना के अंतर्गत खाते खोलने की प्रक्रिया, लाभ, ब्याज दर और भविष्य में मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कई अभिभावकों ने अपनी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए योजना में रुचि दिखाई।

इस अवसर पर ब्रांच पोस्ट मास्टर महमूदपुर अभिषेक पाण्डेय, ग्राम प्रधान अनूप कुमार सिंह सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राम मंदिर में ट्रस्टियों के भतीजे रिश्तेदार खरीद रहे थे जमीन

17 गुना ज्यादा तक दिए दाम, निर्माण सामग्री में भी 40% कमीशन लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'अंधा बांटे रेवड़ी, घरे घराना खाय' कुछ इसी अंदाज में अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के पैसों की बंदरबांट चल रही थी। सूत्रों के मुताबिक, SIT की जांच में सामने आया है कि चढ़ावे की गिनती से लेकर मंदिर के पूरे मैनेजमेंट तक चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव के भतीजों और रिश्तेदारों ने जड़ें जमा रखी थीं।

SIT को निर्माण और जमीन खरीद मे भी गड़बड़ी मिली है। सर्किल रेट से 17 गुना ज्यादा कीमत पर जमीनें खरीदने और निर्माण सामग्री में 40% कमीशनखोरी की बात भी सामने आई है। उम्मीद है कि सोमवार को SIT अपनी शुरुआती रिपोर्ट सीएम योगी को सौंप सकती है। इससे राम मंदिर ट्रस्ट भंग करके इसे नए सिरे से बनाने के आसार हैं।

चंदन राय मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का भतीजा है। अयोध्या में राम मंदिर बनाने के लिए जब जमीनों की खरीदी शुरू हुई तो यह एक्टिव हो गया। सूत्रों के मुताबिक, चंदन पिछले साल तक राम घाट में किराए के एक मकान में रह रहा था। अब उसने अयोध्या के माझा इलाके में कई बीघा जमीन खरीदी, हरिद्वार में होटल बनवाया है। सोमेश आनंद मंदिर की व्यवस्था देखने वाले विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव का भतीजा है। दोनों कर्नाटक के हुबली के रहने वाले हैं।

सर्किल रेट से 17 गुना ज्यादा कीमत देकर जमीनें खरीदीं

मंदिर विस्तार के लिए 107 एकड़ जमीन की जरूरत थी। इसके लिए ट्रस्ट ने 5 साल में राम जन्मभूमि के 500 मीटर से लेकर 3 किमी दूर तक की जमीनें सर्किल रेट से करीब 17 गुना ज्यादा कीमत देकर खरीदीं। कई जमीनें नजूल और मंदिरों के नाम थीं, जिन्हें खरीदा-बेचा नहीं जा सकता था। आरोप है कि मंदिर के लिए जमीन खरीद में चंदन राय की अहम भूमिका थी। SIT ने जमीन खरीद के सभी दस्तावेज जांच के लिए जब्त कर लिए हैं।

नोकझोंक : वीडियो बनाकर कहा- अकेली आई तो क्या रिपोर्ट नहीं लिखोगे, इंस्पेक्टर ने कहा- इससे क्या मैं डर जाऊंगा

एफआईआर न दर्ज होने पर थाने में छात्रा ने किया हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज न करने से नाराज छात्रा ने थाने में जमकर हंगामा किया। उसने थाने में ही वीडियो बनाया। जिसमें वह यह कहते सुनाई पड़ रही है कि अकेली आई हूं तो क्या रिपोर्ट नहीं दर्ज करोगे। इस दौरान उसकी थाने के इंस्पेक्टर से जमकर नोकझोंक भी हुई। इंस्पेक्टर ने कहा- वीडियो बनाओगी तो मैं डर जाऊंगा क्या? फिलहाल हंगामे के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामला शादी का झांसा देकर शोषण करने का है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली 24 साल की युवती नीट एस्पिरेंट है। उसका आरोप है कि राजापुर, कैंट के रहने वाले युवक सौरभ यादव ने शादी का झांसा देकर उसका शोषण किया और बाद में मुकर गया। इसकी शिकायत वह चार दिन पहले कैंट थाने लेकर गई तो उसे राजापुर चौकी भेज दिया गया। वहां दो दिन तक टालमटोल करने के बाद फिर थाने जाने को कहा गया। सोमवार को वह थाने पहुंची तो उसे धूप में बैठा दिया गया। तीन घंटे तक वह इंस्पेक्टर का इंतजार करती रही। पूछने पर पुलिसकर्मी कहते रहे कि इंस्पेक्टर खाना खा रहे हैं।

आरोप है कि तीन घंटे बाद इंस्पेक्टर बाहर निकले तो उन्होंने ठहरकर उसकी बात भी नहीं सुनी। चलते-चलते ही उसने अपनी बात कही तो उसे ही डांटने लगे।

> आरोपी सौरभ यादव प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता है। राजापुर में किराए के मकान में रहता है। युवती का उससे संपर्क हुआ और वह उसके कमरे पर आने जाने लगी। करीब दो साल से दोनों एक-दूसरे के संपर्क में थे।

थाने में आधे घंटे तक जमकर हंगामा हुआ।

आखिरकार दर्ज हुई एफआईआर

थाने में करीब आधे घंटे तक हंगामा होने के बाद आखिरकार पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर FIR दर्ज की। साथ ही आरोपी की तलाश में एक टीम उसके मूल निवास जनपद महोबा भी दबिश के लिए रवाना हो गई।

आरोपी प्रतियोगी परीक्षा की करता है तैयारी

थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने कहा कि युवती की शिकायत प्राप्त हुई थी और उसकी जांच की जा रही थी। उनके अनुसार, युवती थाने पहुंचकर वीडियो बनाने लगी थी, जिस पर उसे शांत रहने के लिए कहा गया। उन्होंने दुर्व्यवहार और अपमानजनक टिप्पणी किए जाने के आरोपों से इनकार किया है।

सर्किट हाउस में ओमप्रकाश राजभर का विपक्ष पर तीखा वार, एनडीए सरकार की गिनाईं उपलब्धियां

'समाजवादी पार्टी और कांग्रेस राजनीति में 'दगे हुए कारतूस'

तंज

- मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में प्रदेश में गंभीर हालात थे, जबकि सत्ता में बैठे लोग बड़े आयोजनों में व्यस्त थे। यह टिप्पणी उन्होंने राजनीतिक आलोचना के रूप में की।

मुस्लिम आईएएस चयन से लेकर कानून-व्यवस्था तक बयान, सपा-कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। सर्किट हाउस में सोमवार को सुभासपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एनडीए सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। बातचीत के दौरान उन्होंने शिक्षा, कानून-व्यवस्था और राजनीतिक गठबंधन को लेकर कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों का जवाब देते हुए राजभर ने पिछली सपा सरकार के कार्यकाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय प्रदेश में एक हजार से अधिक दंगे हुए थे।

मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और अपराध पर नियंत्रण मजबूत हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अब प्रदेश में अपराधी खुलेआम हथियार लेकर नहीं घूम सकते। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बड़े दंगे या कर्फ्यू जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है, जो बेहतर प्रशासन और सख्त कानून व्यवस्था का परिणाम है। अंबेडकरनगर में दिए गए इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विपक्षी दलों की ओर से इस पर प्रतिक्रिया आने की संभावना भी जताई जा रही है। बयान ने प्रदेश की सियासत में एक बार फिर बहस को जन्म दे दिया है।

आईएएस चयन को लेकर किया दावा

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का असर देखने को मिला है। उन्होंने दावा किया कि इस बार 54 मुस्लिम युवाओं ने आईएएस परीक्षा उत्तीर्ण की है, जबकि पिछली बार यह संख्या 51 थी। उन्होंने कहा कि यह स्थिति शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है। साथ ही उन्होंने मुस्लिम सांसदों से अपील की कि वे अपने समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें।

सपा और कांग्रेस गठबंधन पर टिप्पणी

राजभर ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए उन्हें राजनीति में 'दगे हुए कारतूस' बताया। उन्होंने कहा कि 2017 के विधानसभा चुनाव में भी दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता ने उन्हें स्पष्ट रूप से नकार दिया था। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनावों में भी यह गठबंधन कोई प्रभाव नहीं डाल पाएगा और जनता का भरोसा एनडीए के साथ बना रहेगा।

बाढ़ से बचाव के लिए आलापुर और टांडा में प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रभावी प्रबंधन को लेकर तहसील आलापुर और टांडा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में संबंधित उपजिलाधिकारी और तहसीलदार उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का उद्देश्य बाढ़ की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 जून 2026 को तहसील आलापुर और 22 जून 2026 को टांडा तहसील सभागार में आयोजित किया गया। इसमें मास्टर

ट्रेनर डॉ. भानु, सदस्य सलाहकार समिति, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्य समन्वयक राघवेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से जुड़ी जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने बाढ़ पूर्व तैयारी, बाढ़ के दौरान बचाव कार्य, राहत व्यवस्था और बाढ़ के बाद पुनर्वास की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही प्राथमिक उपचार और जोखिम पहचान पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

कार्यक्रम में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), अयोध्या की टीम ने आपदा मित्रों, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, लेखपालों, राजस्व निरीक्षकों, गोताखोरों, नाविकों और अन्य कर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षित निकासी, बचाव उपकरणों का उपयोग, राहत कार्यों का समन्वय और जनहानि को कम करने के उपायों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षकों ने कहा कि आपदा के समय जागरूकता, त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वित कार्य प्रणाली से ही जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

फास्ट न्यूज

एसपी प्राची सिंह ने की जनसुनवाई

अंबेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी शिकायतें और समस्याएं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक मामलों, मारपीट, शिकायतों के निस्तारण में देरी तथा अन्य पुलिस संबंधी मामलों से जुड़े प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए।

विकास खंडों में नई तैनाती, सात बीडीओ के कार्यक्षेत्र में बदलाव

अंबेडकरनगर। जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी आनंद शुक्ला ने सात खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। जारी आदेश के तहत विभिन्न विकास खंडों में नई तैनाती की गई है, जबकि अन्य जनपदों से आए अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। आदेश के अनुसार राजेन्द्र तिवारी को कटेहरी से स्थानांतरित कर भीटी विकास खंड भेजा गया है। वहीं जगन्नाथ को रामनगर से कटेहरी का खंड विकास अधिकारी बनाया गया है।

अघोषित बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

अंबेडकरनगर। अघोषित बिजली कटौती, बार-बार ट्रिपिंग और लो वोल्टेज की समस्या को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्राहक सेवा वितरण केंद्र कल्याणपुर, उपखंड जलालपुर में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र के उपभोक्ता लंबे समय से बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। बार-बार बिजली कटने, ट्रिपिंग और लो वोल्टेज के कारण लोगों को दैनिक कार्यों में कठिनाई हो रही है।

जमीन और मकान के नाम पर 7.5 लाख की ठगी

दो महिलाओं से चेक और नकद में ली गई रकम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जमीन और मकान दिलाने के नाम पर दो महिलाओं से साढ़े सात लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दो आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जहांगीरगंज क्षेत्र के नरियांव मुहल्ले की गुड्डी और रेनू का आरोप है कि हाजीपुर निवासी दिग्विजय और नरियांव निवासी जितेंद्र गुप्त ने उन्हें जमीन और मकान दिलाने का झांसा दिया। इस दौरान कुल 7.50 लाख रुपये लिए गए।

महिलाओं का कहना है कि जिस मकान और जमीन को आरोपित अपना बताकर दिखा रहे थे, जांच करने पर वह संपत्ति किसी अन्य व्यक्ति की निकली। इसके बाद जब रकम वापस मांगी गई तो आरोपितों ने इंकार कर दिया और अभद्र व्यवहार किया। पीड़िताओं ने पहले जहांगीरगंज थाने में शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र भेजा गया, फिर भी कोई समाधान नहीं निकला।

- पीड़ित पक्ष के अनुसार, 4.05 लाख रुपये चेक के माध्यम से और शेष राशि नकद दी गई थी।
- जांच में जमीन किसी और की निकली

गोसाईगंज भीटी मार्ग के चौड़ीकरण को शासन स्तर पर मिली गति

24.5 करोड़ की लागत से 11.60 किमी सड़क का होगा सुदृढ़ीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी परियोजना आगे बढ़ी है। गोसाईगंज सेनपुर इन्हौना से भीटी–महरुआ मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का प्रस्ताव शासन स्तर पर प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है।इस सड़क परियोजना से बाला पैकौली, मधुपुर मीरनपुर, हृदयपुर, चाचिकपुर, सरैया, वीरसिंहपुर, मुस्तफाबाद सहित कटेहरी विधानसभा क्षेत्र की लगभग 25 ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी।

चौड़ीकरण के बाद ग्रामीणों को जिला मुख्यालय और बाजारों तक बेहतर और तेज पहुंच मिलेगी। इससे यात्रा समय में कमी आने के साथ स्थानीय व्यापार और आवागमन भी आसान होगा। यह

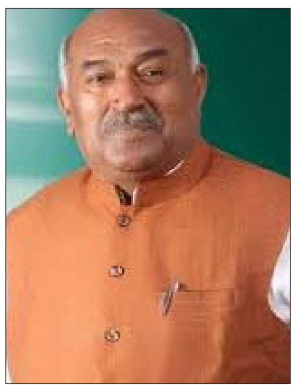

प्रस्ताव एमएलसी हरिओम पांडेय के सुझाव पर लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार कर शासन को भेजा गया है। शासन स्तर से इस पर विस्तृत आकलन रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद स्वीकृति की प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना है।एमएलसी हरिओम पांडेय ने कहा कि यह मार्ग अंबेडकरनगर और अयोध्या के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन अधिक सुगम होगा

11.60 किलोमीटर लंबा मार्ग होगा विकसित

प्रस्तावित योजना के तहत 11.60 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के चौड़ीकरण और सुधार पर 24.5 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। यह सड़क अंबेडकरनगर और अयोध्या जिले के बीच आवागमन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। योजना के अनुसार यह मार्ग गोसाईगंज से शुरू होकर सेनपुर क्षेत्र में तिवारीपुर–चन्हा मार्ग को जोड़ते हुए भीटी–महरुआ मार्ग तक पहुंचेगा। आगे यह काही स्थित कन्या इंटर कॉलेज क्षेत्र तक संपर्क स्थापित करेगा।

देवलर गांव में नाबदान निर्माण विवाद शिकायत के बाद भी समाधान नहीं

कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के देवलर गांव में नाबदान निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। गांव निवासी रासमणि गोस्वामी ने अपने घर के सामने नाबदान बनाए जाने पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

रासमणि गोस्वामी का आरोप है कि पड़ोसी राजेंद्र गोस्वामी द्वारा उनके घर के सामने नाबदान का निर्माण कराया जा रहा है। इससे आवागमन और साफ-सफाई में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि इस मामले की शिकायत कई बार तहसील समाधान दिवस और स्थानीय थाने में की जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। पीड़ित महिला के अनुसार 13 जून 2026 को तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा गया था। इसके बाद राजस्व विभाग के लेखपाल और

कानूनगो मौके पर पहुंचे थे, लेकिन विवाद का निस्तारण नहीं हो सका।

इसके बाद 20 जून 2026 को दोबारा तहसील दिवस में उप जिलाधिकारी आलापुर सुभाष सिंह धामी को प्रार्थना पत्र दिया गया। उप जिलाधिकारी की ओर से भी जांच और निस्तारण के निर्देश दिए गए थे, लेकिन महिला का आरोप है कि आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई।

इस मामले में संबंधित लेखपाल मनोज तिवारी और कानूनगो रामकुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दोनों पक्षों की बात सुनकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और एक सप्ताह के भीतर समाधान का प्रयास किया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक, योजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास और राजस्व कार्यों की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों और राजस्व संबंधी बिंदुओं की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति और लंबित मामलों की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रत्येक सूचकांक जिले के प्रशासनिक प्रदर्शन का आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों को समयबद्ध रूप से निस्तारित कर जनपद की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रंजीत सिंह सहित सभी उपजिलाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों की प्रगति पर फोकस

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों से विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं और परियोजनाओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। जननी सुरक्षा योजना के भुगतान में धीमी प्रगति पर उन्होंने सुधार लाने के निर्देश दिए और समय पर लाभार्थियों को भुगतान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व मामलों के निस्तारण में तेजी के निर्देश

बैठक में वरासत, नामांतरण, खतौनी संशोधन और धारा 24, 34, 88 से जुड़े राजस्व वादों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित और नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी और सभी अधिकारी निर्धारित मानकों के अनुसार कार्य करें।

शादी के दबाव में धमकी का आरोप पांच लोगों पर मुकदमा हुआ दर्ज

टावर पर चढ़े युवक पर गंभीर आरोप, पीड़ित परिवार की सुरक्षा पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अहिरौली क्षेत्र में एक किशोरी से जबरन शादी के दबाव और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, अहिरौली क्षेत्र के एक गांव का युवक जियाउलहक उर्फ शीबू पर आरोप है कि उसने गांव की एक किशोरी को प्रेम जाल में फंसाकर शादी की जिद शुरू कर दी। परिवार के विरोध के बाद मामला तनावपूर्ण हो गया।

घटना छह दिन पुरानी बताई जा रही है। आरोप है कि युवक टीकमपारा गांव के पास एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया और शादी की मांग पर अड़ गया। उसने

मांग पूरी न होने पर कूदकर जान देने की धमकी भी दी थी।

पुलिस के समझाने के बाद वह करीब तीन घंटे बाद नीचे उतरा था। इसके बाद उसका शांतिभंग की आशंका में चालान किया गया था।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि रविवार देर शाम आरोपी अपने साथियों और रिश्तेदारों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंचा। विरोध करने पर धमकी देकर सभी वहां से चले गए।

पुलिस ने मामले में जियाउल-हक, रियाजुलहक, जुनैद, ऐदुल्ला और इब्राहिमपुर के रौकवां निवासी मोहम्मद आजम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि आरोपितों की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

मत्स्य पालन से जुड़ी तीन प्रमुख योजनाओं के लिए आवेदन शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मत्स्य पालन क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए राहत भरी खबर है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की तीन प्रमुख योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक आवेदक 28 जून 2026 तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

मत्स्य विभाग के अनुसार मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना और सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य मत्स्य पालन गतिविधियों को बढ़ावा देना और इससे जुड़े लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग आवेदन करना अनिवार्य होगा। योजनाओं की इकाई लागत, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक अभिलेखों की जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। इसके साथ ही, पूर्व वर्षों में आवेदन करने वाले और प्रतीक्षा सूची में शामिल आवेदकों को भी दोबारा आवेदन करने का अवसर दिया गया है। यदि योजनाओं के प्रावधानों में भविष्य में कोई संशोधन किया जाता है, तो संशोधित नियम लागू होंगे। मत्स्य विभाग ने पात्र लाभार्थियों से निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन करने की अपील की है। योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी जनपदीय मत्स्य कार्यालय, अकबरपुर से भी प्राप्त की जा सकती है।

- 28 जून तक ऑनलाइन होंगे आवेदन, मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा समेत कई योजनाओं का मिलेगा लाभ

प्रदर्शनी : सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखा भारतीय परंपरा का रंग

मल्लखंभ और लोकनृत्य की शानदार प्रस्तुति

- राजकीय हवाई पट्टी पर मिशन शक्ति कार्यक्रम के साथ विकास और संस्कृति का संगम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजकीय हवाई पट्टी अकबरपुर में आयोजित समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण, विकास प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सांस्कृतिक संध्या में ब्रज लोकसंस्कृति की झलक देखने को मिली। मथुरा के मुरारी लाल तिवारी और उनकी टीम ने ब्रज लोकनृत्य, मयूर नृत्य, फूलों की होली और लट्ठमार होली की प्रस्तुति दी। अयोध्या की शालिनी द्वारा प्रस्तुत बधावा लोकनृत्य ने भी दर्शकों को आकर्षित किया। झांसी की टीम द्वारा मल्लखंभ का प्रदर्शन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। कलाकारों ने संतुलन, साहस और कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रस्तुति को तालियों की गूंज के बीच सराहा गया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सफलता की कहानियां

कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी नाट्य रूपांतरण के माध्यम से दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने पोषण गीत प्रस्तुत कर स्वास्थ्य और पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। 'मेरी कहानी, मेरी जुबानी' सत्र में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार और प्राकृतिक खेती से जुड़ी अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। कार्यक्रम में महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में सूचना विभाग की ओर से केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विकास प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। विभागीय स्टॉलों पर लोगों ने योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा 'साधु वर्मा', विधायक धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ल सहित कई अधिकारी और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

तेंदुआई कला विद्युत उपकेंद्र में सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज क्षेत्र के तेंदुआई कला विद्युत उपकेंद्र में बिजली कर्मियों द्वारा बिना सुरक्षा उपकरणों के कार्य किए जाने का मामला सामने आया है। इससे कर्मचारियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, विद्युत कार्य के दौरान हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट और ग्लव्स जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग अनिवार्य होता है, लेकिन मौके पर इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। इससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। तेंदुआई कला विद्युत उपकेंद्र क्षेत्र की बिजली आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। इसके बावजूद यहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार कर्मी बिना सुरक्षा किट के जोखिम भरे कार्य करते देखे गए हैं। शेरू, सनी, रामफेर, शंभू, सतदेव, संदीप, लवकुश कुमार, शमशेर और संजय सहित कई ग्रामीणों ने विभागीय उच्च अधिकारियों से कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि सुरक्षा उपकरणों के बिना काम करना जानलेवा साबित हो सकता है।

इस संबंध में अवर अभियंता (जेई) कुंदन मिश्रा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है।

- कर्मचारियों की सुरक्षा पर सवाल
- बिना हेलमेट और सेफ्टी किट के काम करते दिखे बिजलीकर्मी, हादसे का खतरा बढ़ा

सम्पादकीय

स्वदेशी सैन्य शक्ति

प्रधानमंत्री ने कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर जिन तीन नौसैनिक जहाजों आइएनएस दूनागिरि, आइएनएस संशोधक और आइएनएस अग्रय का शुभारंभ किया, उनकी विशेषता यह है कि वे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित हैं। निःसंदेह यह एक उपलब्धि है और इस बात को रेखांकित करती है कि भारत को रक्षा क्षेत्र में अब केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसे अपनी आवश्यकता की अधिकाधिक रक्षा सामग्री का उत्पादन देश में ही करना होगा। यह इसलिए आवश्यक है कि वर्तमान में किसी भी देश की सैन्य शक्ति का आकलन केवल इससे नहीं किया जाता कि उसके पास कैसे और कितने हथियार हैं, बल्कि इससे अधिक किया जाता है कि वह अपने स्तर पर रक्षा सामग्री का कितना अधिक निर्माण करता है?

यदि भारत को आत्मनिर्भर बनना है तो उसके दायरे में रक्षा सामग्री अनिवार्य रूप से आनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि भारत अभी भी रक्षा सामग्री के एक प्रमुख आयातक देश के रूप में जाना जाता है। अच्छी बात यह है कि धीरे-धीरे इस स्थिति में परिवर्तन हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि पिछले कुछ वर्षों में 40 से अधिक स्वदेश निर्मित युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय नौसेना में शामिल की गई हैं। एक समय ऐसा था जब भारत अपनी हर छोटी-बड़ी रक्षा सामग्री का आयात करता था। इससे रणनीतिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती थीं। यह उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग एक दशक में रक्षा सामग्री के स्वदेश में निर्माण को बल मिला है। इसके चलते देश में रक्षा उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। जहां 2014 में भारत का कुल रक्षा उत्पादन 40 हजार करोड़ रुपये था, वहीं अब यह बढ़कर 1.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह रक्षा सामग्री के मामले में आत्मनिर्भरता को रेखांकित तो करता है, लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल करना शेष है। कुछ समय पहले तक भारत में ज्यादातर रक्षा सामग्री का उत्पादन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में होता था। इसके चलते रक्षा सामग्री के उत्पादन की गति धीमी थी और उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण भी नहीं हो पाता था। यह अच्छा हुआ कि रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र का भी योगदान लेना शुरू किया गया। इसका परिणाम यह है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात भी बढ़ा है और वर्तमान में यह 38 हजार करोड़ तक पहुंच गया है। अब भारतीय रक्षा उत्पाद विश्व के करीब 80 देशों में निर्यात किए जाते हैं। यह ठीक है कि 2029 तक रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि देश में रक्षा सामग्री के उत्पादन की कई परियोजनाएं लंबित चल रही हैं। इनके कारणों की पहचान कर उनका प्राथमिकता के आधार निवारण किया जाना चाहिए।

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

> यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है? भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है।

ललित गर्ग

अहिंसा, संयम और तप धर्म हैं

बुद्धिमान वह नहीं जो काम अधिक करता है, बुद्धिमान वह है जो ऊर्जा का सही उपयोग करता है। वह जहां ऊर्जा का सदुपयोग होता है, वहीं जीवन खिलता है। अहिंसा, संयम और तप को आचार के रूप में देख सकते हैं तथा विश्लेषित भी कर सकते हैं। अहिंसा भी आचार है, संयम भी आचार और तप भी आचार से ही जुड़ा हुआ है। इस भीड़ भरे नश्वर जगत में सब कुछ अस्थायी है। सुख-दुःख, हानि-लाभ, यश-अपयश, रिश्ते-नाते, तन-बदन, अच्छी बुरी भावनाओं से भरा मन सभी कुछ तो अस्थायी है । वह जो इस शाश्वत सत्य को स्वीकार कर लेता है वही प्रसन्न मन से जीवन बिताता है । क्षणभंगुरता को समझना जीवन की सच्चाई के गूढ़ अर्थ को समझना है। हम जब इस ध्रुव-सत्य को स्वीकार कर लेते हैं तब हम और प्रेम से जीने लगते हैं।मृत्यु को भी मित्र समझने लगते हैं। वास्तव में हर क्षण को अंतिम समझकर जीना ही जीवन का सही से आनंद रस पीना हैं । शास्त्र में धर्म को उत्कृष्ट मंगल कहा गया हैं । व्यक्ति को मंगल की चाह होती हैं कि वह जो कार्य करें वह निर्विघ्नता के साथ सम्पन्न हों, सफलता को प्राप्त हों । मंगल कामना स्वयं के लिए भी और दूसरों के लिए भी की जाती हैं । दूसरों के लिए मंगल कामना करना एक उच्चता का द्योतक होता हैं । आत्मविश्वास से जब मन भरा होता है तो रास्ते खुद-ब-खुद सफलता के मिलते रहते हैं। संदेह की भावना तो मन तोड़ देती है जबकि आत्मविश्वास की ऊर्जा टूटे दिल को भी जोड़ देती है। आत्मविश्वास में वह शक्ति हैं जो नियमों को सफलता की ओर मोड़ देती हैं । बस ! अंतर्मन से आत्मविश्वास के साथ जो व्यक्ति कहेगा मैं सक्षम हूं, मैं समर्थ हूं । किसी न किसी प्रकार काम बन जाएगा और चमत्कार शुरू हो जाएगा। तो आत्मविश्वास के साथ सदा हुंकार भरिए बात बनते देर नहीं लगेगी । क्योंकि किसी भी बात को लेकर चिंता में डूबे रहना तो समस्या को तूल देना है वह चिंता से बुद्धि मंद हो जाती है। समस्या का हल निकलने की बजाय और उलझती जाती है।शांतचित्त, जागृत दिमाग की कुशाग्र बुद्धि ही कोई हल दे सकती है। हम समझें कि हमसे यदि पूछा जाए हम BEST बनना चाहते हैं कि UNIQUE तो निश्चित ही हमारा चयन UNIQUE होगा क्योंकि BEST हमें श्रेष्ठ बनाएगा जबकि UNIQUE हमें सर्वश्रेष्ठ बनाएगा ।

› प्रदीप छाजेड़

जहां तक भारत में ...

कमलेश पांडेय

संस्थागत रजिस्ट्रेशन और फंडिंग के दृष्टिगत सुलगते सवाल

किसी भी सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक या गैर-सरकारी संगठन (NGO) के संदर्भ में जब उसके रजिस्ट्रेशन, वित्तीय स्रोतों और धन के उपयोग को लेकर सवाल उठते हैं तो यह केवल कानूनी मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक विश्वास का प्रश्न बन जाता है। आखिर ये सवाल क्यों उठते हैं कि फलां-फलां संगठन की कानूनी स्थिति क्या है? क्या वह सोसायटी, ट्रस्ट, कंपनी या किसी अन्य स्वरूप में पंजीकृत है?

स्वाभाविक सवाल है कि यदि पंजीकृत नहीं है, तो उसकी गतिविधियां किस कानूनी ढांचे के अंतर्गत संचालित हो रही हैं? उसकी फंडिंग का स्रोत क्या है? धन आम जनता के दान से आता है या संस्थागत सहयोग से? क्या विदेशी स्रोतों से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है? क्या सभी वित्तीय स्रोत संबंधित कानूनों के अनुरूप घोषित किए गए हैं? उसके धन का उपयोग कैसे हो रहा है? संगठन को प्राप्त राशि का कितना हिस्सा घोषित उद्देश्यों पर खर्च होता है? क्या ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सार्वजनिक हैं?

जहां तक ऐसे संगठनों की पारदर्शिता और जवाबदेही की बात है तो अक्सर यह सवाल उठते हैं कि क्या संगठन नियमित रूप से अपनी आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत करता है?

क्या उसके वित्तीय रिकॉर्ड स्वतंत्र जांच के लिए उपलब्ध हैं? आखिर उसके सामाजिक और राजनीतिक मायने क्या हैं? क्योंकि ऐसे संगठनों के समर्थकों का तर्क होता है कि ऐसे सवाल कई बार वैचारिक या राजनीतिक विरोध के कारण उठाए जाते हैं। जबकि आलोचकों का तर्क होता है कि सार्वजनिक प्रभाव रखने वाले किसी भी संगठन को वित्तीय और प्रशासनिक पारदर्शिता दिखानी चाहिए, वहीं, लोकतांत्रिक दृष्टिकोण यह होता है कि जितना बड़ा संगठन और उसका प्रभाव होगा, उतनी ही अधिक सार्वजनिक जवाबदेही की अपेक्षा स्वाभाविक होगी।

जहां तक भारत में ऐसे संगठनों की स्थिति की बात है तो भारत में लाखों संस्थाएं विभिन्न रूपों में पंजीकृत हैं—ट्रस्ट, सोसायटी, सेक्शन-8 कंपनियां, धार्मिक संस्थान, ट्रेड यूनियन, राजनीतिक दल और अन्य संगठन। इनमें से अधिकांश को आयकर, ऑडिट, दान और विदेशी फंडिंग संबंधी नियमों का पालन करना पड़ता है। लिहाजा, जब किसी प्रभावशाली संस्था के रजिस्ट्रेशन या फंडिंग पर प्रश्न उठते हैं, तो अक्सर व्यापक बहस शुरू हो जाती है कि क्या सभी संस्थाओं के लिए समान पारदर्शिता मानक होने चाहिए।

हालांकि मूल प्रश्न यह है कि ऐसे विवाद किसी एक संस्था तक सीमित नहीं है बल्कि असली प्रश्न यह है कि क्या भारत में सभी प्रभावशाली सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और वैचारिक संगठनों के लिए रजिस्ट्रेशन, आय-व्यय, दानदाताओं और ऑडिट रिपोर्ट की सार्वजनिक पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। यही प्रश्न आज सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में है।

जानकार बताते हैं कि आरएसएस जैसे बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक, सांस्कृतिक और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs, ट्रस्ट, सोसाइटियां आदि) की व्यापक संख्या भारत में है। इनकी संख्या बहुत बड़ी है और इसका कोई एक सटीक आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। किसी भी अहम मुद्दे पर जब राष्ट्रीय आंकड़ा की बात होती है तो अनुपलब्ध बताया जाता है, यह कमतर दर्शाया जाता है। यह प्रशासनिक नीतिगत लापरवाही नहीं तो क्या है? रही बात गैर सरकारी संगठनों के पुष्ट आंकड़ों की तो जहां तक कुछ उपलब्ध आंकड़े हैं, वो इस प्रकार हैंः- सिर्फ नीति आयोग के NGO-DARPAN पोर्टल पर लगभग 1.5 लाख से 1.9 लाख सक्रिय पंजीकृत NGO सूचीबद्ध हैं जबकि विभिन्न अवधियों में पंजीकृत संस्थाओं का आंकड़ा इससे कहीं अधिक बताया गया है। वहीं, कुछ डेटाबेस और सरकारी संकलनों में 3 लाख से अधिक पंजीकृत गैर-सरकारी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है।

प्रदेश की ...

बी0एल0 यादव

उत्तर प्रदेश कृषि, औद्यानिकी और फूड प्रोसेसिंग में बन रहा है

उत्तर प्रदेश ने कृषि, औद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज करते हुए देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। विशाल कृषि आधार, किसानों की मेहनत, राज्य सरकार की नीतियों और निवेश-अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश आज भारत के सबसे बड़े खाद्य प्रसंस्करण एवं औद्यानिकी केंद्र के रूप में उभर रहा है।

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों वाला राज्य बन चुका है। राज्य में लगभग 3.5 लाख खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ संचालित हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। यह उपलब्धि प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों का सबसे बड़ा केंद्र बनाती है।

प्रदेश की सफलता का आधार इसकी मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था है। उत्तर प्रदेश देश में दूध, गन्ना, आलू और कई प्रमुख सब्जियों के उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। यही कारण है कि यहां खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता बनी रहती है। राज्य की लगभग 14-15 प्रतिशत हिस्सेदारी देश के कुल खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों में है, जो इसकी औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। औद्यानिकी क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2025-26 के आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश कुल औद्यानिकी उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य का कुल औद्यानिकी उत्पादन लगभग 536 लाख टन है, जो राष्ट्रीय उत्पादन का 14.19 प्रतिशत है। सब्जी उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 17.33 प्रतिशत है और इस क्षेत्र में भी राज्य देश में शीर्ष स्थान पर है।

प्रदेश आलू उत्पादन में 40.91 प्रतिशत राष्ट्रीय हिस्सेदारी के साथ देश का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। इसके अलावा आम उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी है और राष्ट्रीय उत्पादन में लगभग 19.48 प्रतिशत योगदान देता है। अमरूद, हरी मटर और फूलगोभी जैसी फसलों में भी प्रदेश का दबदबा कायम है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की बढ़ती संख्या किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा कर रही है। प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेहतर मूल्य मिल रहा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। राज्य में कुशल एवं अर्द्धकुशल श्रमिकों की उपलब्धता, बेहतर सड़क एवं लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तथा निवेश को प्रोत्साहित करने वाली नीतियां इस विकास को और गति दे रही हैं। प्रदेश की कच्चे माल की उत्पादन क्षमता की तुलना में प्रसंस्करण क्षमता को और अधिक बढ़ाया जा रहा है। कृषि उत्पादों का अधिक मूल्य संवर्धन किये जाने के प्रयास किये जा रहे है, जिससे प्रदेश न केवल देश का सबसे बड़ा खाद्य प्रसंस्करण राज्य बनेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा सकेगा।

उत्तर प्रदेश की यह सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह लाखों किसानों, उद्यमियों और श्रमिकों की मेहनत का परिणाम है। कृषि, औद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण के मजबूत समन्वय ने प्रदेश को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

जरा हटके

बागपत के रूपेन्द्र ने कृषि विविधीकरण से लिखा समृद्धि और ग्रामीण उद्यमिता का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश अपनी विशाल भौगोलिक संरचना और उपजाऊ भूमि, यहाँ की गंगा-यमुना की दोआब मिट्टी और प्रचुर जल संसाधन विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। राज्य में गेहूं, धान, गन्ना, आलू, आम और मकई जैसी फसलों का भारी मात्रा में उत्पादन होता है। प्रदेश सरकार ने राज्य में कृषि-आधारित व्यवसायों के लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। कच्चे माल की प्रचुर उपलब्धता और एक विशाल स्थानीय बाजार के चलते यहाँ खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज चेन, बीज प्रसंस्करण, जैविक खाद उत्पादन और पैकेजिंग उद्योगों का एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। आलू से चिप्स बनाना, गन्ने से एथेनॉल और गुड़ का उत्पादन, तथा आम और अन्य फलों से पल्प एवं जूस तैयार करने जैसे उद्योग न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की अपनी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति भी उद्यमियों को पूंजीगत सब्सिडी, बिजली शुल्क में छूट और स्टाम्प ड्यूटी में रियायतें देकर राज्य में निवेश को आकर्षित कर रही है। इस नई नीति के तहत खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड स्टोरेज और मूल्य संवर्धन इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए पात्र परियोजनाओं पर पैंतीस प्रतिशत से लेकर पचास प्रतिशत तक का पूंजीगत अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा पांच करोड़ से दस करोड़ रुपये तक निर्धारित की गई है। इसके साथ ही नए उद्योगों के लिए ऋण पर ब्याज सब्सिडी, सौर ऊर्जा सब्सिडी और उत्पादों के निर्यात के लिए माल-भाड़े में सुविधा प्रदान की जाती है। ग्रामीण युवाओं को कृषि-व्यवसाय शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत कम ब्याज दर पर ऋण और कस्टमाइज्ड ट्रेनिंग दी जा रही है। इन सभी सरकारी प्रयासों, बुनियादी ढांचे में सुधार और कृषि विविधीकरण के कारण आज उत्तर प्रदेश न केवल फसलों के उत्पादन में, बल्कि कृषि-उत्पादों के मूल्य संवर्धन और व्यापार में भी देश का एक अग्रणी हब बनकर उभर रहा है। महिला एवं आरक्षित वर्ग के सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों को चालीस हजार रुपये प्रति सदस्य तक सीड कैपिटल यानी कार्यशील पूंजी के रूप में दी जाती है, जिससे ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। गन्ने के प्रमुख क्षेत्रों में गुड़ को एक जनपद एक उत्पाद में शामिल कर विशेष सहायता, मार्केटिंग और ब्रांडिंग सपोर्ट भी दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार गन्ने से खाद्य उत्पाद जैसे गुड़, सिरका, चीनी और शीरा बनाने के लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा गन्ना विकास विभाग के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसी कड़ी में गन्ना संस्थान किसान को गन्ने से जुड़े वैज्ञानिक उत्पादों, शर्करा गुणवत्ता नियंत्रण और सह-उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण देता है। युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के योग्य बनाने के लिए विभिन्न नेटवर्कों के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। सरकारी योजनाओं और नीतियों के इस सकारात्मक प्रभाव को जमीन पर उतारने का एक बेहतरीन उदाहरण बागपत के ग्राम फैजपुर निनाना में देखने को मिलता है। यहाँ के युवा कृषक उद्यमी रूपेंद्र धनकड़ ने पारंपरिक गन्ने की खेती को एक नई पहचान दे दी है। गन्ने का रस, जो बागपत में कभी गर्मी में ठेले पर मिलने वाला एक साधारण पेय माना जाता था, आज उनके प्रयासों से एक स्थापित ब्रांड बन चुका है। रूपेंद्र ने यह साबित कर दिया है कि खेती अब सिर्फ जीवनयापन का साधन नहीं, बल्कि एक बड़ा उद्यम बन सकती है। उनके इस छोटे से प्रोसेसिंग यूनिट की ओर जब लोग बढ़ते हैं, तो वहां गन्ने के रस की खुशबू और नए उत्पादों की तैयारी का माहौल दिखाई देता है। यह एक ऐसे किसान की कहानी है जिन्होंने कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यवसायों में नवीन सम्भावनाओं को विस्तार देकर न केवल नए उद्यम की स्थापना की, बल्कि उद्यम में नए बदलावों की सोच को भी साकार कर दिया। रूपेंद्र धनकड़ भी पहले सामान्य किसानों की तरह ही पारंपरिक तरीके से गन्ने की खेती करते थे। खेत में दिन-रात मेहनत करना, फसल तैयार करना और फिर उसे मंडी में जाकर बेच देना ही उनकी दिनचर्या थी। इस पूरी प्रक्रिया में उनकी आमदनी बेहद सीमित थी और लागत निकालना भी कभी-कभी भारी पड़ता था। उनके मन में हमेशा यह कसक रहती थी कि कुछ ऐसा नया किया जाए जो उन्हें और उनके उत्पाद को एक अलग पहचान दे।

बदलाव की शुरुआत तब हुई जब वे जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और किसान मेलों से जुड़े। इन कार्यक्रमों में उन्हें पहली बार यह समझ आया कि खेती को सिर्फ उत्पादन तक सीमित रखना फायदे का सौदा नहीं है। असली लाभ तब मिलता है जब किसान अपने उत्पाद का मूल्य संवर्धन करके उसे सीधे बाजार में उतारे। विशेषज्ञों ने उन्हें फूड प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग के गुर सिखाए, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने 'वेदांशी प्राकृतिक उत्पाद' के नाम से अपना खुद का ब्रांड शुरू किया। इस ब्रांड के तहत उन्होंने गन्ने के रस से कई अनोखे उत्पाद तैयार किए, जिनमें केमिकल-फ्री आइसक्रीम और कुल्फी, चौदह मसालों से बनी गन्ना इमली चटनी, गन्ने के पेड़े, हर्बल चाय, गन्ने के रस की कोल्ड कॉफी और मटके की पारंपरिक विधि से बना सिरका शामिल हैं। इन सभी उत्पादों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये पूरी तरह प्राकृतिक हैं और इनमें किसी भी प्रकार का रासायनिक पदार्थ नहीं मिलाया जाता। आज के दौर में जब लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं, उनके इन उत्पादों को बाजार में हाथों-हाथ लिया जा रहा है।

उनके इस संघर्ष में जिला प्रशासन और कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही है। प्रशासन द्वारा आयोजित मेलों, प्रदर्शनियों और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में रूपेंद्र को अपने उत्पादों का स्टॉल लगाने के लिए मुफ्त मंच उपलब्ध कराया गया। बिना किसी बड़े निवेश के उन्हें सीधे ग्राहकों से जुड़ने और उनकी प्रतिक्रिया जानने का अवसर मिला। कृषि विज्ञान केंद्र से प्राप्त प्रशिक्षण ने उनके काम को और मजबूती दी, जहां उन्होंने उत्पाद बनाने की आधुनिक तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और बाजार की मांग के अनुसार उत्पादन करने के तौर-तरीके सीखे। आज उनके उत्पाद मेरठ मंडल के कई जिलों में धूम मचा रहे हैं।

इस नवाचार का सबसे बड़ा असर रूपेंद्र की समृद्ध हुई आर्थिक स्थिति में साफ दिखाई देता है। जहां पहले गन्ने की पारंपरिक खेती से सीमित और अनिश्चित कमाई होती थी, वहीं अब फूड प्रोसेसिंग और मूल्य संवर्धन के जरिए उनकी मासिक शुद्ध आय लगभग साठ से सत्तर हजार रुपये तक पहुंच गई है। यह आय किसी एक फसल के सीजन पर निर्भर नहीं है, बल्कि विभिन्न उत्पादों की नियमित बिक्री से साल भर बनी रहती है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक स्थिरता मिली है। वे अब बाजार के उतार-चढ़ाव और बिचौलियों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं।

रूपेंद्र धनकड़ की सफलता का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि उन्होंने इस समृद्धि को केवल अपने तक सीमित नहीं रखा।

21 जून की रात 10:48 बजे यूपी ने दर्ज की अब तक की सबसे बड़ी पीक डिमांड सप्लाई

योगी सरकार ने बिजली आपूर्ति में रचा इतिहास

- बिजली आपूर्ति में उत्तर प्रदेश नंबर-1 बना, टूटा महाराष्ट्र का रिकॉर्ड
- बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड पर, निर्बाध सप्लाई बनाए रखने में जुटे
- उपकेंद्रों पर अधिकारियों का लगातार निरीक्षण, गुणवत्ता पर विशेष फोकस

कीर्तिमान

32348 मेगावाट मांग पूरी कर बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश ने बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करते हुए देशभर में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने 21 जून को रात 10:48 बजे 32,348 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग की सफल एवं निर्बाध पूर्ति कर इतिहास रच दिया है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में अब तक की सर्वाधिक पीक पावर डिमांड पूरी करने वाला राज्य बन गया है। इससे पहले 13 मई 2026 को महाराष्ट्र ने 32,317 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग पूरी कर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

उपकेंद्रों का अधिकारी कर रहे लगातार निरीक्षण

प्रदेश भर में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उपकेंद्रों का निरीक्षण भी लगातार किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं को हर स्थिति में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। शिकायतों के त्वरित निस्तारण और फील्ड रिस्पॉन्स टाइम को बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं यूपीपीसीएल के चेयरमैन डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि 32,348 मेगावाट की रिकॉर्ड बिजली मांग की सफल पूर्ति उत्तर प्रदेश के बिजली क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

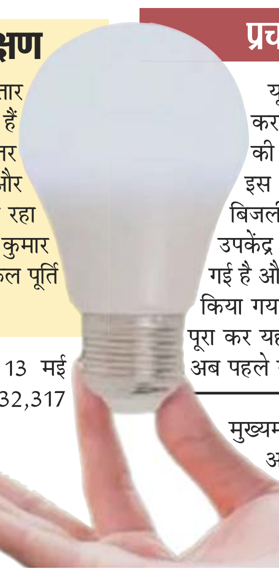

प्रचंड गर्मी में बिजली की मांग चरम पर

यूपी जैसे विशाल राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति करना एक बड़ी चुनौती रही है। लेकिन योगी सरकार की दूरदर्शी नीतियों और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है। प्रदेश में बिजली अवसंरचना को मजबूत करने के लिए लगातार नए उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई गई है और पुराने उपकरणों को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड किया गया है। उत्तर प्रदेश ने रिकॉर्ड मांग को सफलतापूर्वक पूरा कर यह साबित कर दिया है कि प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक मजबूत और सक्षम हो चुकी है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में बिजली व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए गए हैं। 21 जून को रात 10:48 बजे 32,348 मेगावाट रिकॉर्ड पीक डिमांड आपूर्ति की गई है।

बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड में डटे

प्रदेश भर में बिजलीकर्मी दिन-रात मैदान में डटे हुए हैं। चाहे तूफानी रात हो, भारी बारिश हो या चिलचिलाती गर्मी, बिजलीकर्मी हर परिस्थिति में उपभोक्ताओं तक सुरक्षित और सुचारु बिजली आपूर्ति करने में जुटे हैं। रात्रिकालीन मेंटेनेंस कार्यों के माध्यम से विभिन्न जिलों में बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों और उपकेंद्रों की नियमित जांच की जा रही है।

काकोरी में एकसाथ 158 लोगों पर मुकदमा

हादसे के बाद हाईवे जाम किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। काकोरी क्षेत्र के गोला कुआं गांव के पास सड़क हादसे में युवक हिमालय गौतम की मौत के बाद रविवार को परिजनों और किसान नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान हाईवे जाम करने का प्रयास किया गया, जिससे कुछ देर यातायात प्रभावित रहा।

पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल 158 लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इनमें 8 लोग नामजद हैं और शेष 150 लोगों की पुलिस वीडियो के आधार पर कर रही है।

शनिवार रात हुए हादसे में हिमालय गौतम की जान चली गई थी। पोस्टमॉर्टम के बाद उनका शव गांव पहुंचने की सूचना मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (हिंदुस्तान) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद सलमान अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। किसान नेताओं और परिजनों ने आरोपी थार चालक की तत्काल गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

- अस्पताल से लौट रहे युवक को थार ने उड़ा दिया था

फास्ट न्यूज

सपा सांसद के दल-बदल की अफवाहों पर शिकायत दर्ज

दुबग्गा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के दल-बदल की अफवाहों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और पोस्ट के संबंध में सांसद के मुख्य सलाहकार टीबी सिंह ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने भ्रामक प्रचार कर सांसद और पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गोरखपुर में तानों से तंग भांजी ने मामी को मार-डाला

गोरखपुर। गोरखपुर के जंगल बब्बन में महिला की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। मृतका की ही भांजी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने तानों से परेशान होकर अपनी मामी को फोन कर बुलाया। फिर जंगल ले गई। वहां चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।

घटना स्थल पर पुलिस को दो तरह की चूड़ियां मिलीं। इसमें ऑरेंज कलर की चूड़ी मृतका के हाथ में मिली। इसके बाद हरी कलर की चूड़ी लेकर पुलिस हत्यारोपी की तलाश में जुट गई।

सिविल अस्पताल में युवक का हंगामा

लखनऊ। हजरतगंज स्थित सिविल अस्पताल में रविवार रात को एक युवक ने जमकर हंगामा किया। युवक ने अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की, जिससे वह खुद भी घायल हो गया। हाथ में शीशे का टुकड़ा लेकर उसने अपना गला काटने की धमकी दी और आसपास मौजूद लोगों की ओर भी शीशा तानने दौड़ पड़ा। हंगामे के दौरान युवक ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ अभद्रता की।

सपा सांसद के दल-बदल की अफवाहों पर शिकायत दर्ज

सलाहकार ने छवि धूमिल करने का आरोप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। मोहनलालगंज से सपा सांसद आरके चौधरी के दल-बदल की अफवाहों को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और पोस्ट के संबंध में सांसद के मुख्य सलाहकार टीबी सिंह ने काकोरी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने भ्रामक प्रचार कर सांसद और पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सपा जिला उपाध्यक्ष टीबी सिंह ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाने और जनता को भ्रमित करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी 37 सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में एकजुट हैं। दल-बदल की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। उनका कहना था कि राजनीतिक लाभ के लिए झूठे वीडियो और भ्रामक पोस्ट वायरल किए जा रहे हैं।

इस दौरान सांसद प्रतिनिधि तरुण रावत ने बिना नाम लिए तंज कसा। उन्होंने कहा कि ₹कुछ छुटभैये नेता बिच्छू का मंत्र नहीं जानते और सांप के बिल में हाथ डाल रहे हैं।₹ रावत ने नेताओं को विपक्ष पर टिप्पणी करने के बजाय अपने संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देने की सलाह दी।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे चरण में 20 जनपदों के एसआरजी-डायट मेंटर शामिल

निपुण भारत मिशन को नई धार

- लखनऊ में मास्टर ट्रेनर्स का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शुरू
- मिशन मोड में करें काम, 2026-27 तक हर बच्चा हो निपुण
- जिला-ब्लॉक स्तर तक पहुंचेगा प्रशिक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 2026-27 तक कक्षा-3 का हर बच्चा निपुण₹ के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रशिक्षण की श्रृंखला को और मजबूत कर दिया है। इसी क्रम में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) आधारित पांच दिवसीय राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का दूसरा चरण सोमवार को इंदिरानगर सेक्टर-सी स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर के सभागार में शुरू हुआ। प्रशिक्षण के प्रथम दिन अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने प्रदेश के सभी 75 जनपदों से आए राज्य संदर्भ समूह (एसआरजी) सदस्यों एवं डायट मेंटरों के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इस लक्ष्य को हासिल करने में मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका निर्णायक होगी। आप सभी मिशन के सारथी हैं। कक्षा-कक्ष में जो बदलाव आएगा, उसकी नींव यहीं से तैयार होगी। प्रशिक्षण को औपचारिकता न मानें, इसे मिशन मोड में लेकर जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा

दीक्षा, निपुण टीचर ऐप, रीडिंग कैंपेन जैसे डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम को पूरी तरह सहभागितापूर्ण और व्यवहारिक स्वरूप में तैयार किया गया है। प्रदर्शन, चिंतन, सहकर्मी अधिगम, समूह चर्चा और कक्षा में प्रत्यक्ष उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण से प्राप्त शैक्षणिक समझ और कौशल सीधे शिक्षण व्यवहार में परिलक्षित हों और विद्यार्थियों के अधिगम परिणामों में गुणात्मक सुधार हो।

आनंद पांडेय भी उपस्थित

इस अवसर पर समग्र शिक्षा के वरिष्ठ विशेषज्ञ आनंद पांडेय भी उपस्थित रहे। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में आधारभूत भाषा एवं गणितीय दक्षताओं के विकास के लिए प्रभावी कक्षा-कक्ष क्रियान्वयन पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दक्षता आधारित शिक्षण पद्धति, गतिविधि आधारित शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएं, कैच एप आधारित शिक्षण प्रक्रिया, टेन प्वाइंट ऑफ टीचिंग, प्रिंट-समृद्ध शैक्षणिक सामग्री एवं टीएलएम के उपयोग, प्रभावी कक्षा मूल्यांकन तथा स्कूल व शिक्षकों की प्रेरक सक्सेज स्टोरी जैसे नवाचारी मॉड्यूल पर गहन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) से अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को मिल रहा सहारा

योगी सरकार की पहल बनी बच्चों के जीवन का आधार

- यूपी में 1,03,611 बच्चे योजना से हो रहे लाभान्वित
- सीएम योगी के मार्गदर्शन में शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) उन बच्चों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है, जिन्होंने अपने माता-पिता अथवा उनमें से किसी एक को खो दिया है। इसके साथ ही बालश्रम, भिक्षावृत्ति एवं वैश्यावृत्ति जैसी परिस्थितियों से मुक्त कराकर पुनर्वासित बच्चों को भी इस योजना के माध्यम से पारिवारिक वातावरण में बेहतर जीवन उपलब्ध कराया जा रहा है। योगी सरकार बाल संरक्षण और पुनर्वास को लेकर विशेष रूप से गंभीर नजर आ रही है। बालश्रम और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याओं से मुक्त कराए गए बच्चों को परिवार आधारित वातावरण में पुनर्वासित कर मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

आर्थिक सहायता से बच्चों को मिल रहा बेहतर भविष्य

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। वहीं, ऐसे युवक-युवतियां जिन्होंने माता-पिता दोनों अथवा उनमें से किसी एक को खो दिया है, उन्हें 18 से 23 वर्ष की आयु तक स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा करने के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपए की सहायता दी जा रही है। योगी सरकार की इस पहल से बच्चों की शिक्षा और भविष्य सुरक्षित हो रहा है। वर्तमान समय में प्रदेशभर में कुल 1,03,611 बच्चे इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सहायता किसी संबल से कम नहीं है। योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देना नहीं, बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर अग्रसर करना भी है।

> प्रदेश के सभी जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत आने वाले समस्त पात्र बच्चों की प्राथमिकता के आधार पर पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिया जाए। इसके लिए जिले स्तर पर व्यापक सर्वेक्षण, सत्यापन एवं जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि पात्रता रखने वाला कोई भी बच्चा योजना के लाभ से वंचित न रहे।

राम मंदिर का चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारी हटाए

सीसीटीवी बढ़ाए गए, धर्म सेना अध्यक्ष का मोदी को लेटर

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 40 कर्मचारियों को सोमवार को हटा दिया गया। सूत्रों के मुताबिक, उनकी जगह दूसरे कर्मचारियों को ड्यूटी में लगाया गया है। हटाए गए कर्मचारियों को दूसरी जगह ड्यूटी पर लगाया गया है। इसके अलावा, गणनास्थल पर 3 CCTV बढ़ाए गए हैं। अब CCTV की संख्या 4 हो गई है।

इधर, धर्म सेना के अध्यक्ष संतोष दुबे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है।

चढ़ावा चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) आज CM योगी आदित्यनाथ को शुरुआती रिपोर्ट सौंप सकती है। टीम रविवार शाम को योगी से मिलने पहुंची थी, लेकिन उनके मानसून सेशन की मीटिंग में व्यस्त होने की वजह से मुलाकात नहीं सकी थी। SIT ने जिन लोगों से पूछताछ की, उन्हें अगले आदेश तक अयोध्या से बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है।

इनमें ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी अनिल मिश्रा और मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव भी शामिल हैं। हालांकि, सूत्रों से पता चला है कि गोपाल राव अयोध्या छोड़कर कर्नाटक चले गए हैं। अभी यह साफ नहीं है कि उन्होंने SIT को अयोध्या छोड़ने के बारे में बताया या नहीं। रिपोर्टर ने उनके नंबर पर फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। मैसेज भेजकर भी प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। पार्टी प्रमुख अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

गबन : बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में फर्श पर लेटे ग्राहक

अंदर घुसकर नारेबाजी की, कामकाज ठप कराया

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा । शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में एक बार फिर सोमवार को ग्राहकों ने प्रदर्शन कर दिया। 25 से ज्यादा खाताधारकों ने शाखा पहुंचकर कामकाज ठप करा दिया। अंदर घुसकर नारेबाजी की। कई ग्राहक फर्श पर बैठे तो कई लेट गए। उनका आरोप है कि FD के नाम पर बैंक मित्र ने उनसे लाखों रुपए लिए लेकिन FD नहीं की।

खाताधारकों का आरोप है कि बैंक मित्र शिवा राव और उसके साथी दीपक ने अधिक ब्याज का लालच देकर उनसे एफडी के नाम पर लाखों रुपए जमा कराए थे। बाद में उन्हें पता चला कि उनके नाम पर कोई वैध एफडी नहीं की गई थी। 22 मई को बैंक के हेड ऑफिस में प्रदर्शन के बाद 22 जून को पैसा वापस आने का आश्वासन मिला था, जो नहीं हुआ। पीड़ितों ने बताया कि 22 मई को बैंक के हेड ऑफिस में अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उन्हें 22 जून तक पैसा वापस करने का आश्वासन दिया गया था। तय समय सीमा पूरी होने के बावजूद भुगतान नहीं होने से गुस्साए खाताधारक सोमवार दोपहर करीब 12 बजे बैंक पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। खाताधारकों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जमा पूंजी वापस नहीं मिलेगी, तब तक बैंक का कोई भी कार्य नहीं होने दिया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान बैंक का मुख्य गेट बंद कर दिया गया और सभी लोग अपनी मांगों को लेकर बैंक के अंदर ही डटे रहे।

प्रदर्शन में रुचि गौतम (6 लाख रुपए), सुषमा (2 लाख), सरोजिनी (10 लाख), टिंकू (2 लाख), गुड़िया (1.60 लाख), मोनी राजपूत (1 लाख), फूलचंद (5 लाख), जयश्री (7 लाख), रामादेवी (1.80 लाख) और अनीता वर्मा (2 लाख) सहित कई अन्य पीड़ित शामिल थे।

निर्वाचन : भाजपा के 5 पार्षद, सपा ने सुबह प्रत्याशी बदलकर महिला को उतारा

लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी में 6 सदस्य निर्विरोध चुने गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम की कार्यकारिणी समिति में सोमवार को 6 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इसमें 5 पार्षद भाजपा के चुने गए हैं और सपा की एक पार्षद शामिल है। सपा के वरिष्ठ पार्षद यायावर हुसैन रेशू को तय माना जा रहा था लेकिन सुबह नाम ममता रावत का भेज दिया गया।

2 वर्षीय कार्यकाल वाली इस कार्यसमिति के 6 सदस्यों का इसी महीने कार्यकाल समाप्त हुआ था। कार्यकारिणी समिति के चुनाव के लिए लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय के त्रिलोकनाथ सभागार में सुबह 11 बजे विशेष अधिवेशन बुलाया गया था। भाजपा ने 5 पार्षदों के नाम घोषित किए थे। दूसरी पार्टियों ने एक भी नाम नहीं भेजे थे। समाजवादी पार्टी ने 1 नाम देने के लिए रातभर मंथन किया। लगभग तय था कि यायावर हुसैन रेशू का नाम भेजा जाएगा। लेकिन, चुनाव से कुछ घंटे पहले विपक्षी दल के नेता कामरान बेग ने ममता का नाम दे दिया। चरनजीत सिंह गांधी अभी तक नगर निगम की उपाध्यक्ष थीं। उनको पिछले साल उपाध्यक्ष चुना गया था।

अभी ये 6 सदस्य कार्यरत

पुराने सदस्य जिनका अभी कार्यकाल चल रहा है, उनमें भाजपा के अरुण राय, पृथ्वी गुप्ता, पिंकी रावत, राजेश सिंह गब्बर, संदीप शर्मा और सपा के रामनरेश चौरसिया शामिल हैं। इस साल 1 जून को 6 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया था। उनमें भाजपा के भृगुनाथ शुक्ला, अनुराग मिश्रा, गौरी सांवरिया, कृष्ण नरायन सिंह, चरनजीत गांधी और सपा की सबा हसन मंसूरी शामिल थीं।

विपक्षी दल के नेता की बात ममता ने मेयर से कराई

सपा की ओर से पहले जगदीश चंद्र बोस वार्ड से लगातार 6 बार जीत दर्ज करने वाले पार्षद यायावर हुसैन रेशू को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना देर रात तक थी, लेकिन सुबह सदन में अचानक पहली बार भरवारा मल्हौर वार्ड से पार्षद बनी ममता रावत को टिकट दे दिया गया। टिकट देने की जानकारी महापौर को ममता रावत ने दल के नेता कामरान बेग से फोन पर बात कराकर दी। चुनाव के दौरान सपा पार्षद दल के नेता कामरान बेग सदन में मौजूद नहीं रहे।

गोमती नदी को स्वच्छ और निर्मल बनाएंगे

सुशील तिवारी पम्मी ने कहा- संगठन ने हम लोगों पर विश्वास दिखाकर कार्यकारिणी में भेजा है। अब निश्चित रूप से कार्ययोजना बनाकर लखनऊ के लिए काम करेंगे। इस बार स्वच्छता में लखनऊ पहले नंबर पर होगा। हम लोग गोमती नदी पर विशेष ध्यान देंगे। उसे स्वच्छ और निर्मल बनाएंगे। हमारे यहां कार्यकारिणी के सदस्यों के नाम पर मंथन करके संगठन देता है, उसके बाद कोई कुछ नहीं बोलता। हर तरह से जातियों का समावेश करके नामों की घोषणा की गई थी। ऐसा नहीं था कि और भी नाम प्रस्ताव में नहीं थे। नाम थे लेकिन मंथन करने के बाद जिन नामों पर निर्णय आ गया, वही फाइनल होते हैं।

2 दरोगा समेत 7 की हत्या में वांटेड था

एसटीएफ ने बिहार के बदमाश ललन सिंह को मार गिराया

दो भाई भी एनकाउंटर में मारे गए थे

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में बिहार के कुख्यात बदमाश ललन सिंह उर्फ लल्लन को यूपी STF ने एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर बिहार और यूपी में दो दरोगा, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड समेत 7 हत्याएं, डकैती और ATM कैश वैन लूटने जैसे कई संगीन मामले दर्ज थे। उस पर 1.25 लाख रुपये का इनाम भी था। एडीजी अमिताभ यश ने बताया- रविवार रात डेढ़ बजे ASP लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में यूपी STF की टीम सरसावा-नकुड़ रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान बाइक से संदिग्ध बदमाश आते दिखे। रोकने को कहा तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में ललन को गोली लगी। वह गिर गया। उसने बताया- अंधेरे का फायदा उठाकर ललन का साथी मौके से फरार हो गया। घायल ललन को पहले CHC ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया।

ललन सिंह मृतक

पुलिस के मुताबिक, बदमाश ललन, रजनीश और मनीष ने वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर सरकारी पिस्टल लूट ली थी। 1 नवंबर 2022 को चंदौली में एक युवक की हत्या कर बाइक लूट लिया था। उस पर वाराणसी में एक लाख और चंदौली में 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

ललन 5 भाई, 4 बदमाश थे गैंग बनाकर वारदात करते थे

पुलिस के मुताबिक, ललन बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के नंदगोलवा गांव का रहने वाला था। पिता शिव शंकर सिंह किसान हैं। मां रेशमी देवी घर संभालती हैं। उनके पांच बेटे और तीन बेटियां हैं। इसमें से चार ललन, रजनीश, मनीष और बबुआ सिंह आपराधिक प्रवृत्ति के थे। तीन बेटे एनकाउंटर में मारे जा चुके हैं। बबुआ हाजीपुर जेल में बंद है। बड़ा भाई पत्थर सिंह पंजाब में प्राइवेट जॉब करता है। काफी साल पहले घर से नाता तोड़ चुका है। ऐसे में गांव में सिर्फ माता-पिता ही रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, रजनीश ने 2016 में एसबीआई बैंक के पीओ का परीक्षा पास की थी, लेकिन फाइनल मेरिट में नाम नहीं आया। फिर वह लूटपाट करने लगा। बाद में उसने मनीष और ललन के साथ गैंग बना ली।

बदमाश ललन सिंह इसी बाइक से भागने की फिराक में था।

वाराणसी में दरोगा को गोली मारी, दो भाइयों का एनकाउंटर

8 नवंबर 2022 की शाम बदमाश ललन और उसके दो भाइयों रजनीश, मनीष ने लक्सा थाने में तैनात 2015 बैच के दरोगा अजय यादव को सीने में गोली मार दी थी। दरोगा अजय प्रतापगढ़ के भीखमपुर गांव के रहने वाले थे। बदमाश सरकारी पिस्टल, 10 कारतूस, पर्स और मोबाइल लूटकर भाग गए थे। खून से लथपथ दरोगा अजय पैदल ही भागते हुए अस्पताल पहुंचे थे। आनन-फानन में डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया। गोली निकालकर उनकी जान बचाई थी। वारदात के 12 दिन बाद 21 नवंबर को वाराणसी पुलिस की रिंग रोड पर बड़ागांव थाना क्षेत्र में तीनों भाइयों से मुठभेड़ हो गई थी।

मंत्री संजय निषाद के बेटे प्रवीण की तबीयत बिगड़ी

निषाद पार्टी के आगे के सभी कार्यक्रम स्थगित

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डा. संजय निषाद के पुत्र पूर्व सांसद ई. प्रवीण निषाद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के ICU में भर्ती कराया गया है। डा. संजय निषाद ने अपने फेसबुक वाल पर इस बात की सूचना दी है। उन्होंने मंगलवार से निषाद पार्टी के सभी कार्यक्रम अगले आदेश तक स्थगित कर दिए हैं। प्रवीण निषाद निषाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं।

निषाद पार्टी के गठन के बाद 2018 में सपा के साथ गठबंधन हुआ था। उस समय ई. प्रवीण निषाद को सपा ने गोरखपुर लोकसभा सीट से उप चुनाव में उतारा था। प्रवीण जीतकर सांसद बने थे। इसके बाद 2019 में डा. संजय निषाद ने भाजपा के साथ गठबंधन कर लिया और उनके बेटे प्रवीण को संतकबीरनगर लोकसभा सीट से भाजपा का प्रत्याशी बनाया गया। प्रवीण को इस बार भी जीत मिली। 2024 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उन्हें इसी लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। तभी से वे निषाद पार्टी की जिम्मेदारी देख रहे हैं। डा. संजय निषाद ने अपने फेसबुक वाल पर लिखा है कि उनके पुत्र पूर्व सांसद ई. प्रवीण कुमार निषाद दिल्ली एम्स के आईसीयू में भर्ती हैं। उन्होंने सभी से उनके लिए दुआ करने की अपील की है।

फास्ट न्यूज

जहर से हुई थी एमबीबीएस छात्रा की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के यूनाइटेड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा सृष्टि मिश्रा की मौत के मामले में पोस्टमार्टम के बाद नया मोड़ सामने आया है। शुरुआती तौर पर बीमारी से मौत की आशंका जताई जा रही थी। लेकिन पोस्टमार्टम में जहर से मौत होने के लक्षण मिलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

पिता बोला- कमा कर लाओ, बेटे ने पीटकर मार डाला

सोनभद्र। यूपी के सोनभद्र में बेटे ने अपने पिता की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बात बस इतनी सी थी कि पिता ने खाना खाते समय बेरोजगार बेटे को नौकरी नहीं करने का ताना मार दिया था।

पिता ने कहा- केवल घर पर बैठकर खाने से नहीं चलेगा, कुछ काम-धंधा भी करना होगा। इसी बात पर बाप-बेटे के बीच झगड़ा शुरू हो गया। पिता ने बेटे को 3-4 थप्पड़ मार दिए। इसके बाद आगबबूला बेटे ने डंडा उठाकर पिता के सिर पर ताबड़तोड़ 5-6 वार कर दिए।

44 हजार की लूट में करीबी ने की मुखबिरी

प्रयागराज। प्रयागराज के करेली में एक दिन पहले पशु व्यापारी के रिश्तेदार से 44 हजार रुपये लूट की वारदात में किसी करीबी के ही मुखबिरी करने का शक है। दरअसल रुपयों की जानकारी केवल पीड़ित मिथिलेश व उसके रिश्तेदार पशु व्यापारी शालू को ही थी। ऐसे में पुलिस अब उस करीबी की तलाश में जुटी है।

सीएम योगी ने मंच से की पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल की तारीफ

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा। रविवार को वीरभूमि महोबा में आयोजित भव्य जनसभा के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के विकास कार्यों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका की प्रशंसा करते हुए पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेंद्र सिंह चंदेल एवं सदर विधायक राकेश गोस्वामी की खुलकर सराहना की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महोबा जनपद के विकास में जनप्रतिनिधियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद कुमार पुष्पेंद्र सिंह चंदेल ने अपने कार्यकाल के दौरान बाबा गोरखनाथ की तपोभूमि गोरख गिरी पर्वत को सजाने संवारने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी उन्होंने लखनऊ में मिलकर महोबा सहित गोरखगिरी के विकास का एजेंडा सौंपा था।महोबा में गोरखगिरी पर्वत को टूरिज्म हब के रूप में विकसित किए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सांसद कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल के प्रयासों को सराहा है और कहा कि भविष्य में एडवेंचर टूरिज्म के रूप में गोरखगिरि पर्वत को विकसित किया जाएगा जिससे हजारों नौजवानों को रोजगार भी मिलेगा।

गश्त के दौरान सड़क किनारे खड़े थे, मेरठ में भाई के साथ रेस लगा रहा था

कारोबारी के बेटे ने कार से सात पुलिसकर्मियों को रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में ऑटो पार्ट्स कारोबारी के बेटे ने अपनी इनोवा कार से सड़क किनारे खड़े 7 पुलिसकर्मियों को रौंद दिया। इस दौरान एक कांस्टेबल का पैर टूट गया। दो के हाथों की खाल छिल गई। बाकी के मुंह और नाक में चोटें आईं हैं। मामले का CCTV सोमवार को सामने आया। इसमें दिख रहा है कि शनिवार देर रात ढाई बजे गश्त पर निकले पुलिसकर्मी रोड किनारे पुलिस जीप के पास खड़े थे। तभी तेज रफ्तार इनोवा कार ने पुलिसकर्मियों को रौंदते हुए जीप से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को हिलने तक का समय नहीं मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की रफ्तार 100 से ज्यादा थी। टक्कर के बाद कांस्टेबल 5 फीट तक उछलकर दूर गिरे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। ब्रह्मपुरी थाने की पुलिस टीम रात में जीप से गश्त पर निकली थी। जीप में पांच पुलिसकर्मी सवार थे। टीपीनगर गेट के सामने स्थित हनुमान मंदिर के पास पुलिसकर्मी सड़क किनारे खड़े थे। इसी बीच डायल-112 के दो पुलिसकर्मी बाइक से वहां पहुंच गए। सभी सात पुलिसकर्मी आपस में बातचीत कर रहे थे। तभी बेकाबू इनोवा कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में कांस्टेबल लोकेन्द्र पंवार, कांस्टेबल सतेंद्र कुमार, कांस्टेबल

दोनों भाई रेस लगा रहे थे, इनोवा कार बेकाबू हुई

ब्रह्मपुरी थानाक्षेत्र के सुपरटेक पामग्रीन, बिजली बंबा रोड निवासी कारोबारी रमन जोली के दो बेटे नमन जोली (37) और अमन जोली (35) हैं। दोनों भाई शनिवार देर रात दिल्ली हाईवे पर अपनी इनोवा और थार गाड़ी से रेस लगा रहे थे। दोनों एक-दूसरे को ओवरटेक करने की होड़ में थे। इसी दौरान इनोवा चला रहे बड़े भाई नमन जोली कार बेकाबू हो गई।

विक्रम सिंह, कांस्टेबल कपिल भाटी, कांस्टेबल राजेश कुमार और हेड कांस्टेबल रविन्द्र मलिक समेत सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों को पहले केएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें न्यूटिमा अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल हेड कांस्टेबल रविन्द्र मलिक की हालत नाजुक बनी हुई है।

आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 2 की हालत गंभीर है, जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। कारें जब्त कर लीं।

1 मजदूर की मौत, क्रेन से उठाकर रखते समय फिसला, शारदा नहर पर बन रहा

हरदोई में निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में शारदा नहर पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का 70 फीट का स्लैब गिर गया। इसके नीचे 2 मजदूर दब गए। इनमें से एक की लखनऊ ले जाते समय मौत हो गई, दूसरे की हालत गंभीर है। हादसा उस वक्त हुआ, जब सोमवार सुबह पुल पर क्रेन से सीमेंट का स्लैब चढ़ाया जा रहा था। हादसे के बाद क्रेन-बुलडोजर से स्लैब हटाकर दोनों को बाहर निकाला गया। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीएम अनुनय झा ने जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग

घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एक घायल की लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

पर बन रहे पुल को आरसीएल (RCL) कंपनी बनवा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, करीब डेढ़ महीने पहले भी इसी पुल का एक हिस्सा गिर गया था। NHAI (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) के असिस्टेंट इंजीनियर पुष्पेंद्र यादव ने बताया- लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग के तहत शाहाबाद से हरदोई के खेतुई गांव तक करीब 600 करोड़ का प्रोजेक्ट है। इसी के तहत बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव के पास ओवरब्रिज बनाया जा रहा है। शाहाबाद से हरदोई तक यह प्रोजेक्ट नवंबर- 2023 से शुरू हुआ था। इसको नवंबर-2025 में पूरा हो जाना था।

स्लैब को बुलडोजर और क्रेन की मदद से हटाया गया। फिर इसके नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला गया।

इस पुल को जरूरत क्यों पड़ी?

सैदपुर के पास पहले से पीडब्ल्यूडी ने शारदा नहर पर पुल बना रखा है, लेकिन वह S आकार में है। इसलिए लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। साथ ही यहां कई हादसे भी हो चुके हैं। इसलिए इसको ब्लैक स्पॉट घोषित किया जा चुका है। इसके बाद यहां पर NHAI ने सीधा पुल बनाने का फैसला लिया था।

नवंबर-2023 से काम शुरू हुआ था। सोमवार को यहां कई मजदूर काम कर रहे थे। इनमें सिधौली में रहने वाले राहुल (30) और गेंदालाल (35) भी शामिल थे। स्लैब गिरने से यही दोनों घायल हुए।

महिला टीचर, 8 महीने के बच्चे की एक्सीडेंट में मौत

कौशांबी में पति-बेटी तड़पते रहे, एंबुलेंस की टक्कर से ईंट के ढेर में घुसी कार

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। कौशांबी में कार-एंबुलेंस की टक्कर में सरकारी महिला टीचर और उनके 8 महीने के बेटे की मौत हो गई। उनके पति और बेटी बुरी तरह घायल हो गए। पूरा परिवार कार में सवार थे। तभी रॉन्ग साइड से आ रही एंबुलेंस ने कार में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सड़क किनारे रखे ईंटों के ढेर से जा टकराई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीयों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें प्रयागराज के SRN अस्पताल रेफर कर दिया। हादसा महेवाघाट थाना

क्षेत्र के सरसवां स्वास्थ्य केंद्र के पास हुआ। मृतकों की पहचान प्रतापगढ़ के जैसवां कुंडा बिहरिया गांव निवासी सायना फारूखी (38) और उनके 8 माह के बेटे अब्बास फारूखी के रूप में हुई है। सायना फारूखी चित्रकूट के राजापुर स्थित एक प्राथमिक विद्यालय में टीचर के पद पर कार्यरत थीं। सोमवार को स्कूल का काम पूरा करने के बाद परिवार के साथ प्रतापगढ़ लौट रही थीं। जानकारी के अनुसार, कार में सायना फारूखी, उनके पति फैजल (40), बेटी मनाल फारूखी और 8 माह का बेटा अब्बास सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि सामने से आ रही एम्बुलेंस गलत दिशा में चल रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे ईंटों के चट्टे से जा टकराई।

पृष्ठ 01 का शेष...

एनीमेशन सेंटर...

ऑफिस में करीब 40 लोग काम करते हैं। ऑफिस का मुख्य गेट थंब इंप्रेशन से खुलता था। आग फैलने के बाद गेट ऑटोमैटिक लॉक था। उसे खोलने में देरी हुई। जिसकी वजह से हादसा और ज्यादा गंभीर हो गया।

बताया जा रहा है इमारत वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर है। वे सीतापुर रोड पर गोविंदपुरम में स्थित रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (RITM) कॉलेज के मालिक हैं। इमारत का नक्शा धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला के नाम से पास हुआ था। मामले में प्रशासन की ओर से जांच की जा रही है। शुरुआती जांच के मुताबिक, इमारत में इमरजेंसी एग्जिट नहीं था। इसलिए लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। लखनऊ अग्निकांड के बाद वाराणसी में फायर डिपार्टमेंट एक्शन में आ गया है। दुर्गाकुंड, साकेत नगर के कोचिंग सेंटर पर फायर सेफ्टी इंतजामों को परखा है।

लखनऊ कोचिंग सेंटर अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेडिकल कॉलेज (KGMU) पहुंचे, जहां उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना दी और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- लखनऊ में आग लगने की एक दुखद घटना के बारे में जानकारी मिली है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई है। यह वाकई बहुत दुखद घटना है। इस मुश्किल समय में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं और मैं घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। मैंने कुछ प्रशासनिक अधिकारियों से बात की है और हालात का जायजा लेने के लिए मैं तुरंत लखनऊ जा रहा हूं।

लखनऊ अग्निकांड के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ KGMU ट्रॉमा सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

सीएम योगी ने घायलों से पूछा कि वे कैसे बाहर निकले, हादसा कैसे हुआ। वे क्या काम करते हैं। वे कहां रहते हैं और उनके साथ कितने साथी थे।

सीएम योगी ने घायलों से उनके घर और कामकाज के बारे में भी पूछा तथा इलाज की स्थिति की जानकारी ली। KGMU पहुंचकर उन्होंने पूरे मामले की गंभीरता से समीक्षा की और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लखनऊ में आग लगी जिस बिल्डिंग को लेकर जानकारी सामने आई है कि यह वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर बनी है। बताया जा रहा है कि वे रामेश्वरम इंजीनियरिंग कॉलेज से जुड़े हैं, जिसे रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (RITM) के नाम से भी जाना जाता है। यह लखनऊ का एक प्रमुख निजी संस्थान है, जिसकी स्थापना 2008 में हुई थी। यह डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (AKTU) से संबद्ध तथा AICTE से मान्यता प्राप्त है।

अमेरिका ने ईरान के...

इसके साथ ही ईरान UN की परमाणु एजेंसी IAEA के इंस्पेक्टर्स को दोबारा देश में काम करने की मंजूरी देने पर भी सहमति जताई है।

इस बीच स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत दूसरे दिन भी जारी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिका की कोशिश ईरान के साथ स्थायी समझौते तक पहुंचने की है और अब तक की बातचीत में अच्छी तरह आगे बढ़ी है।

दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच रविवार को स्विट्जरलैंड में करीब 80 मिनट तक बातचीत हुई। दोनों देश 60 दिन के युद्धविराम को स्थायी शांति समझौते में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है। उनके मुताबिक, दोनों देश मिलकर शांति और समृद्धि को बढ़ावा दे सकते हैं और ट्रम्प अगले 10 साल में पश्चिम एशिया की तस्वीर बदलना चाहते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान लेबनान में अपने समर्थक हिजबुल्लाह को तुरंत रोके। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर अमेरिका पिछले हफ्ते से भी ज्यादा सख्त कार्रवाई करेगा।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 2 मार्च से अब तक 4,106 लोगों की मौत और 12,153 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइली सेना प्रमुख इयाल जमीर ने कहा कि हिजबुल्लाह के साथ लड़ाई दोबारा शुरू हो सकती है।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए शुरुआती समझौते के तहत कतर में जमा ईरान के 6 अरब डॉलर वापस मिलेंगे। उन्होंने दावा किया कि समझौते की शर्तें तेहरान के पक्ष में हैं।

अमेरिका के साथ चल रही वार्ता के बीच ईरान ने साफ कहा है कि उसकी सेना पूरी तरह अलर्ट है और किसी भी संभावित खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है।

उद्धव के 6 सांसद शिंदे...

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा- शिंदे ने 6 गद्दार पैदा किए हैं। हालात संभालने के लिए अब सर्जरी करनी पड़ेगी। उद्धव 27 जून से महाराष्ट्र में जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रहे हैं। इस दौरान वे बागी सांसदों के लोकसभा क्षेत्रों में भी जाएंगे। जारी शेड्यूल के अनुसार, उद्धव 27 जून को यवतमाल, वाशिम और हिंगोली जाएंगे। 28 जून को परभणी और धाराशिव का दौरा करेंगे। 29 जून को शिर्डी पहुंचेंगे।

पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या NDA को समर्थन दिया है। इनमें 7 AAP के राज्यसभा सांसद और 20 TMC के लोकसभा सांसद हैं। शिवसेना (UBT) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता BJP में शामिल होने के लिए तैयार हैं।

सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं।

गॉडजिला अल नीनो...

1997-98 के अल नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में भीषण बाढ़, सूखा, फसलों को भारी नुकसान और रिकॉर्ड स्तर की गर्मी दर्ज की गई थी। मौजूदा अल नीनो भी उसी दिशा में बढ़ सकता है।

नासा के सेंटिनल-6 माइकल फ्रीलिच सैटेलाइट से मिले आंकड़ों के मुताबिक भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के बड़े हिस्से में समुद्र का जलस्तर सामान्य से ज्यादा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक-यह संकेत देता है कि समुद्र की सतह के नीचे बड़ी मात्रा में गर्म पानी जमा हो रहा है। जब समुद्र का पानी गर्म होता है तो वह फैलने लगता है। इससे जलस्तर बढ़ जाता है। समुद्र की सतह के नीचे जमा गर्मी दुनिया के मौसम को प्रभावित करती है। गर्म पानी का भंडार बड़ा और गहरा हो जाए, तो इसका वैश्विक असर होता है। इससे कई देशों में मौसम का संतुलन बिगड़ सकता है।

समुद्र के भीतर 'केल्विन वेव्स' नाम की विशाल जल-तरंगें गर्मी को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रही हैं। जब प्रशांत महासागर की व्यापारिक हवाएं कमजोर पड़ती हैं, तब इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के पास जमा गर्म पानी पूर्व की ओर दक्षिण अमेरिका के तटों की तरफ बढ़ने लगता है।

इस कारण समुद्र की गहराई से ऊपर आने वाला ठंडा पानी कम हो जाता है और समुद्र का तापमान तेजी से बढ़ने लगता है। यही स्थिति अल नीनो की पहचान मानी जाती है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पूर्वी प्रशांत महासागर अभी 1997 जितना गर्म नहीं हुआ है, लेकिन नई केल्विन वेव्स लगातार उस क्षेत्र की ओर बढ़ रही हैं।

सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली भारतीय भी बनीं, साउथ अफ्रीका का वर्ल्डकप में हाईएस्ट रनचेज

हरमनप्रीत 200 टी-20 खेलने वाली पहली क्रिकेटर

शानदार

मैनचेस्टर,एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को 6 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 159 रन का टारगेट हासिल किया। यह टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा और साउथ अफ्रीका का सबसे बड़ा रनचेज रहा।

रविवार को भारतीय कप्तान हरमप्रीत कौर का 200 टी-20 खेलने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनीं। बतौर कप्तान यह उनका 200वां इंटरनेशनल मैच भी था। हरमन ने बतौर कप्तान भी 200वां इंटरनेशनल मैच खेला। वे इस मुकाम पर पहुंचने वाली भारत की पहली और दुनिया की दूसरी प्लेयर बन गई। इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स 220 मैचों के साथ पहले स्थान पर हैं।

भारत ने इस मैच में पावरप्ले में 2 विकेट खोकर 59 रन बनाए। यह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इसी वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ भारत ने बिना विकेट खोए 59 रन बनाए थे। शेफाली विमेंस टी-20 इंटरनेशनल के एक ही मैच में भारत के लिए ओपनिंग बैटिंग और बॉलिंग करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई। इस मामले भारत की अमिता शर्मा पहले स्थान पर हैं। उन्होंने 8 बार ऐसा किया है। भारतीय पारी के 15वें ओवर में अफ्रीकी पेसर शबनीम इस्माइल चोटिल हो गईं। ओवर की आखिरी गेंद पर ऋचा घोष ने सीधे शॉट खेला। इस्माइल ने फॉलोथ्रू में गेंद रोकने की कोशिश की। इस दौरान उनका हाथ चोटिल हो गया। गेंद लगते ही उनकी उंगली से खून बहने लगा। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया। चरणी ने छठे ओवर में बिना रन दिए 2 विकेट लिए। उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट (20) का कैच पकड़ा। फिर चौथी गेंद पर अनेरी डर्कसेन (0) को बोल्ड कर दिया।

> साउथ अफ्रीका ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का तीसरा सबसे बड़ा रनचेज है। यह उसका टूर्नामेंट में सबसे बड़ा रनचेज भी है। पहले स्थान पर इंग्लैंड है। टीम ने 2009 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 163 रन का टारगेट हासिल किया था।

हरमन ने 200 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले

हरमनप्रीत ने 200वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला। वह मेंस और विमेंस में ऐसा करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बन गई। न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स 184 मैचों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेंस में आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग (163 मैच) पहले और रोहित शर्मा (159 मैच) दूसरे स्थान पर हैं।

श्री चरणी ने पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की

श्री चरणी ने भारत के लिए विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के पूनम यादव के रिकॉर्ड की बराबरी की। चरणी ने अफ्रीका के खिलाफ 3 विकेट चटकाए। वे इस टूर्नामेंट में 10 विकेट हासिल कर चुकी हैं। पूनम ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2020 में इतने ही विकेट चटकाए थे।

विराट कोहली ने औजला के सॉन्ग पर डांस किया

गुरुग्राम में स्टेज पर बैठकर गाने भी सुने

गुरुग्राम, एजेंसी

गुरुग्राम में क्रिकेटर विराट कोहली ने अपना ब्रांड 'One8' लॉन्च किया। इसके लिए रविवार रात द्वारका एक्सप्रेसवे स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) में इवेंट रखा गया। इसमें मशहूर पंजाबी सिंगर करन औजला भी पहुंचे।

कार्यक्रम में करन औजला ने कई गाने गाए। उन्होंने विराट कोहली के लिए अपना हिट सॉन्ग 'विनिंग स्पीच' भी सुनाया। इस दौरान विराट ने गाने की लाइन 'औजला दे कन्ना विच नट्टियां' पर करन औजला के साथ स्टेप किया। इसके बाद वह स्टेज पर बैठकर उनके गाने सुनते नजर आए।

इवेंट के दौरान विराट कोहली ने करन औजला से कहा- ₹मैं करन औजला का बहुत बड़ा फैन हूं। आप दिल से गाने लिखते हैं और यह बात आपके गानों में साफ नजर आती है। आप अपनी कहानी को अपने गानों के जरिए पेश करते हैं, जो काफी खास है। विनिंग स्पीच' वह गाना है जिससे मैं सबसे ज्यादा जुड़ाव महसूस करता हूं। यह गाना आपके जीवन के सफर को बयां करता है और मुझे इसमें अपने सफर की भी काफी समानताएं नजर आती हैं। यह गाना मेरे लिए बहुत खास है। मैच खेलने जाने से पहले भी मैं इसे कई बार सुन चुका हूं। ग्लोबल प्रीमियर इवेंट में शामिल होने के लिए विराट कोहली और करन औजला प्राइवेट जेट से दिल्ली पहुंचे।

एशियन रिले चैंपियनशिप में भारतीय महिला टीम ने गोल्ड जीता

100 मीटर रिले में चीन को हराया, भारत ने कुल 3 पदक अपने नाम किए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला 4x100 मीटर रिले टीम ने एशियन रिले चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को हराते हुए 43.85 सेकंड का सीजन-बेस्ट टाइम निकाला। इस चैंपियनशिप में भारत ने 1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 3 मेडल अपने नाम किए हैं।

टीम में श्रावणी नंदा, एसएस स्नेहा, सुदेष्णा शिवंकर और तमन्ना शामिल थीं। इस चौकड़ी ने रेस के दौरान सटीक बैटन एक्सचेंज और बेहतरीन फिनिशिंग स्पीड का प्रदर्शन किया। भारत ने 43.85 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। इस रेस में चीन की टीम 44.09 सेकंड के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसने सिल्वर मेडल जीता। वहीं थाईलैंड ने 44.11 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। रिलायंस फाउंडेशन के कोच मार्टिन ओवेन्स के मार्गदर्शन में टीम ने इस रेस प्लान को सफलता के साथ पूरा किया। इस चैंपियनशिप में भारत के लिए तमन्ना और स्नेहा शानुवल्ली का व्यक्तिगत प्रदर्शन बेहतरीन रहा, जिन्होंने दो-दो मेडल के साथ अपने अभियान को समाप्त किया। महिला 4x100 मीटर में गोल्ड जीतने से पहले, इन दोनों एथलीटों ने मिक्स्ड 4x100 मीटर रिले में भी देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

मिक्स्ड टीम में इनके साथ अनिमेष कुजूर और प्रणव गुरव शामिल थे, जिन्होंने 41.27 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। इस इवेंट में थाईलैंड (41.14 सेकंड) पहले और चीन (41.29 सेकंड) दूसरे स्थान पर रहा। भारत को टूर्नामेंट का तीसरा पदक मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले इवेंट में मिला। इस टीम में थीर्थेश पी शेट्टी, एमआर पूवम्मा, भारत श्रीधर और नीरू पाठक शामिल थे। भारतीय चौकड़ी ने 3:17.06 सेकंड के समय के साथ रेस पूरी की और सिल्वर मेडल पर कब्जा किया। इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल वियतनाम की टीम ने जीता।

सीरीज 1-1 से की बराबर, मैट हेनरी ने 11 विकेट लिए, न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट इंग्लैंड से 253 रन से जीता

इंग्लैंड के अंतरिम कप्तान जो रूट चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे, लेकिन पांचवें दिन वे अपनी पारी में केवल दो रन ही जोड़ सके और 77 रन के स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौट गए।

नई दिल्ली, एजेंसी

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 253 रनों से हरा दिया। लंदन के ओवल मैदान पर खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले के पांचवें दिन 463 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में महज 209 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कुल 11 विकेट चटकाए। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली।

हार के साथ इंग्लैंड के लिए ICC की तरफ से भी बुरी खबर आई। स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर मैच फीस का 50% जुर्माना लगाया गया और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) की पॉइंट्स टेबल में उसके 12 अंक काट लिए गए।

इंग्लैंड को जीत के लिए पांचवें दिन 281 रन की जरूरत थी, जबकि उसके पांच विकेट शेष थे। चौथे दिन का खेल 5 विकेट पर 182 रन के स्कोर पर समाप्त हुआ था। अंतिम दिन इंग्लैंड की पारी महज एक घंटे के भीतर सिमट गई। इंग्लैंड की आखिरी उम्मीद अंतरिम कप्तान जो रूट थे, जो चौथे दिन 75 रन बनाकर नाबाद लौटे थे। खेल शुरू होने के केवल आठ मिनट बाद मैट हेनरी की अंदर आती गेंद पर वे एलबीडब्ल्यू हो गए। रूट अपने स्कोर में सिर्फ दो रन और जोड़ सके और 77 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

अगले टेस्ट में कप्तान बेन स्टोक्स की होगी वापसी, दर्शकों को मिलेगा 50% रिफंड

इंग्लैंड की इस करारी शिकस्त के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने पुष्टि की कि नियमित कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन अगले हफ्ते ट्रेंट ब्रिज में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में वापसी करेंगे। लॉर्ड्स टेस्ट के बाद 'नाइट आउट' विवाद के चलते दोनों खिलाड़ियों की जांच चल रही थी, जिसके कारण उन्हें इस मैच से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड में न्यूजीलैंड की सातवीं जीत

केन विलियमसन के अचानक संन्यास लेने के ठीक बाद मिली यह जीत न्यूजीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड की सरजमीं पर यह अब तक की केवल सातवीं टेस्ट जीत है और इस सदी में तीसरी। पूरे मैच में न्यूजीलैंड ने खेल के हर विभाग में दबदबा बनाए रखा।

मैट हेनरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में भी शानदार स्पेल (6.1-3-4-5) डालते हुए मैच में पहली बार 10 या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया। उनके ज्यादातर विकेट विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल को स्टंप के नजदीक खड़ा रखकर मिले।

मनोरंजन

जाह्नवी-शनाया समेत पूरा कपूर परिवार सेलिब्रेशन में पहुंचा, रोहन ठक्कर के साथ हो रही शादी

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की प्री-वेडिंग शुरू

नई दिल्ली। फिल्ममेकर बोनी कपूर की बेटी और अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर की शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। अंशुला अपने मंगेतर रोहन ठक्कर के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। प्री-वेडिंग फंक्शंस की शुरुआत माता की चौकी से हुई, जिसमें पूरे कपूर परिवार ने हिस्सा लिया। शनाया कपूर ने इस पारिवारिक कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिसमें पूरा परिवार पारंपरिक कपड़ों में नजर आ रहा है। अंशुला और रोहन ने पिछले साल जुलाई 2025 में सगाई की थी। अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में शनाया के साथ उनके पिता संजय कपूर, मां महीप कपूर और भाई जहान कपूर दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ ही अंशुला के भाई अर्जुन कपूर, बहन जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी पारंपरिक आउटफिट्स में मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं। शनाया ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'वी लव यू अंशुला और रोहन।' अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर की लव स्टोरी साल 2022 में एक डेटिंग ऐप के जरिए शुरू हुई थी। अपनी सगाई की जानकारी देते हुए अंशुला ने बताया था कि उनकी पहली बातचीत एक मंगलवार को रात 1:15 बजे शुरू हुई थी, जो घंटों चली थी। इसके ठीक तीन साल बाद रोहन ने न्यूयॉर्क के सेंट्रल पार्क में कैसल के सामने उसी समय यानी रात के ठीक 1:15 बजे अंशुला को शादी के लिए प्रपोज किया था।

माता की चौकी से हुई शुरुआत

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर के प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन की शुरुआत सांस्कृतिक तरीके से हुई। दोनों ने माता की चौकी का आयोजन किया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में यह कपल प्रार्थना करता नजर आ रहा है। पूजा संपन्न होने के बाद परिवार के सदस्यों ने संगीत और डांस के साथ इस कार्यक्रम का जश्न मनाया।

बिहार में एक्टर पंकज त्रिपाठी के बड़े भाई पर हमला

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में एक्टर पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। इस घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर किया गया है।

घटना बरौली थाना क्षेत्र के बेलसंड गांव की है। विजेंद्र नाथ तिवारी रविवार देर शाम अपने घर के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान आरोपी राजेश साह आया और अचानक विजेंद्र पर वार किया। हमले में वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े।

विजेंद्र नाथ को तुरंत सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने हालत को देखते हुए उन्हें पटना AIIMS रेफर कर दिया। आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। डॉक्टर एके मिश्रा ने बताया कि पीठ पर आधा इंच, एक कंधे पर एक इंच और दूसरे कंधे पर आधा इंच जख्म है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने पीड़ित और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। सदर SDPO-2 राजेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले विजेंद्र नाथ तिवारी अपने घर के पास मिट्टी भरवाए थे, जिसके बाद जमीन को लेकर विवाद हुआ था। इसी बीच रविवार को आरोपी राजेश ने विजेंद्र नाथ पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी राजेश साह के पिता महेश साह से विजेंद्र नाथ का विवाद था। इस विवाद में महेश जेल भी जा चुका था। राजेश पिता के जेल जाने का बदला लेना चाहता था। मामले को लेकर ने पंकज त्रिपाठी से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ आया।

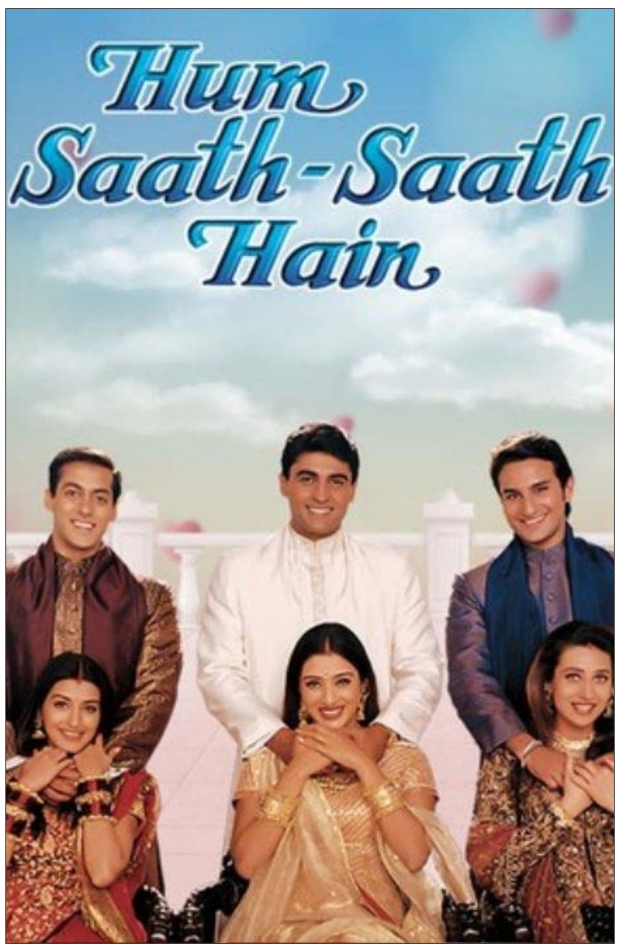

29 साल पहले आई थी ये फैमिली ड्रामा, ब्लॉकबस्टर रही थी बॉलीवुड मूवी

जियोहॉटस्टार पर धूम मचा रही 27 साल पुरानी फिल्म

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर हाल ही में कई नई फिल्में और वेब सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, जो दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही हैं। लेकिन इन सबके बीच एक 27 साल पुरानी फिल्म ने अपनी जगह बनाई है और टॉप-10 में ट्रेंड कर रही है।

फैमिली ड्रामा के तौर पर ये मूवी फिलहाल जियो हॉटस्टार पर ऑडियंस की पहली पसंद बन गई है। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी पुरानी फिल्म के बारे में बात की जा रही है।

बात की जाए फिल्म हम साथ-साथ हैं की तो ये अपने दौर की सबसे बेहतरीन मूवीज में से एक है। इस फिल्म में सलमान खान, मोहनिस बहल, सैफ अली खान, तब्बू, सोनाली बेंद्रे, करिश्मा कपूर, निरुपा रॉय, आलोक नाथ और नीलम कोठारी जैसे कई कलाकारों ने अहम भूमिका अदा की।

जियो हॉटस्टार पर ट्रेंड कर रही है ये मूवी

जिस फिल्म की इस लेख में बात की जा रही है, उसे 1999 में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। मूवी की इमोशनल कहानी ने भी सभी का दिल जीता और इसी आधार पर ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म निर्माण राजश्री बैनर तले हुआ, अब तो आप समझ ही गए होंगे कि यहां चर्चा फिल्म हम साथ-साथ हैं की जा रही है। निर्देशक सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में बनी हम साथ-साथ हैं फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑडियंस की पसंद बनी हुई है और मस्ट मूवी के तौर पर छाई हुई है। जिसके चलते हम साथ-साथ हैं हॉटस्टार पर नंबर-6 के पायदान पर ट्रेंड कर रही है।

फिल्म को इतनी अधिक लोकप्रियता मिली कि आज भी इसकी चर्चा की जाती है और फिलहाल जियो हॉटस्टार पर इसका ट्रेंड होना अपने आप में एक बड़ा सबूत है। फिल्म का जॉनर फैमिली ड्रामा था, जो उस वक्त दर्शकों का काफी रास आया था।

अपनी शानदार और दिल को छू जाने वाली कहानी की बदौलत हम साथ-साथ हैं कमर्शियल तौर पर काफी सक्सेसफुल रही। बॉक्स ऑफिस पर इस फैमिली ड्रामा फिल्म ने नेट 40 करोड़ का कारोबार किया था और इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 70 करोड़ रही थी। जबकि फिल्म का कुल बजट 17 करोड़ रुपये था।

कहा- पार्टी को नहीं लगता मैं अगला चुनाव जिता सकता हूं, एंडी बर्नहैम नए प्रधानमंत्री बन सकते हैं

ब्रिटिश पीएम स्टार्मर का इस्तीफा

ऐलान

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को प्रधानमंत्री और लेबर पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे दिया है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर राष्ट्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी को नहीं लगता कि मैं अगले चुनाव में नेतृत्व करने के लिए सही व्यक्ति हूं।

स्टार्मर का इस्तीफा ऐसे समय आया है जब लेबर पार्टी के भीतर उनके नेतृत्व को लेकर लंबे समय से असंतोष बढ़ रहा था। हाल के महीनों में कई सांसदों और मंत्रियों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए थे। स्थानीय चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन और गिरती लोकप्रियता ने भी उनके ऊपर दबाव बढ़ा दिया था।

कीर स्टार्मर ने सोमवार सुबह 10 डाउनिंग स्ट्रीट से पद छोड़ने का ऐलान किया।

स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव क्यों बढ़ा

स्टार्मर ने 2024 में लेबर पार्टी को बड़ी चुनावी जीत दिलाई थी, लेकिन उसके बाद उनकी लोकप्रियता लगातार घटी है। कई विवादों, नीतिगत यू-टर्न और जीवनस्तर में सुधार के वादों को पूरा नहीं कर पाने की वजह से उनकी इमेज को नुकसान पहुंचा।

स्टार्मर की मुश्किलें तब और बढ़ गईं, जब उनके विरोधी एंडी बर्नहैम ने शुक्रवार को उपचुनाव जीत लिया। इस जीत के बाद बर्नहैम पार्टी की कमान संभालने की दावेदारी पेश कर सकते हैं। जीत के बाद बर्नहैम ने कहा कि वह देश को नई दिशा देना चाहते हैं। बर्नहैम के सहयोगी स्टार्मर से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया कि वह जरूरत पड़ने पर स्टार्मर को नेतृत्व के लिए चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, स्टार्मर ने 19 जून को साफ कहा था कि मैं अपने नेतृत्व के खिलाफ आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करूंगा। साथ ही लेबर पार्टी के नेताओं से आपसी खींचतान से बचने की अपील की थी।

स्टार्मर पिछले 10 साल में कार्यकाल पूरा होने से पहले पद छोड़ने वाले छठे ब्रिटिश प्रधानमंत्री होंगे। इससे पहले डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके थे।

2016 में ब्रेक्जिट जनमत संग्रह में हार के बाद डेविड कैमरन ने इस्तीफा दिया था। उनके बाद प्रधानमंत्री बनीं थेरेसा मे संसद से ब्रेक्जिट समझौता पारित नहीं करा सकीं और 2019 में पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद बोरिस जॉनसन ने कोविड लॉकडाउन के दौरान सरकारी आवास पर हुई पार्टियों और कई राजनीतिक विवादों के बीच 2022 में इस्तीफा दिया। जॉनसन के बाद लिज ट्रस प्रधानमंत्री बनीं, लेकिन उनकी आर्थिक नीतियों से बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई। वह सिर्फ 49 दिन ही पद पर रह सकीं और अक्टूबर 2022 में इस्तीफा देना पड़ा। उनके बाद ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बने, लेकिन बढ़ती महंगाई, आर्थिक चुनौतियों और आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की हार के बाद जुलाई 2024 में उन्होंने भी पद छोड़ दिया। अब कीर स्टार्मर के इस्तीफे के साथ ब्रिटेन को सात साल में छठा और 10 साल में सातवां प्रधानमंत्री मिलने जा रहा है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक एंडी बर्नहैम उनके उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। बर्नहैम ने हाल ही में मेकरफील्ड उपचुनाव जीतकर संसद में वापसी की है और उन्हें लेबर सांसदों के बड़े वर्ग का समर्थन प्राप्त बताया जा रहा है।

अपने संबोधन के अंत में स्टार्मर ने पत्नी विक को गले लगाया। इसके बाद दोनों साथ में 10 डाउनिंग स्ट्रीट के भीतर लौट गए।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की वजह

एक्सपर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बार-बार बदलने की बड़ी वजह वहां की संसदीय व्यवस्था है। वहां प्रधानमंत्री को लोग सीधे नहीं चुनते, बल्कि उनकी पार्टी के सांसद उनका समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री तब तक पद पर बने रहते हैं, जब तक पार्टी के सांसद उनके साथ खड़े हों।

अगर सांसदों को लगने लगे कि किसी नेता की घटती लोकप्रियता से अगले चुनाव में पार्टी को नुकसान हो सकता है, तो वे बिना आम चुनाव कराए ही नया नेता चुनने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। यही वजह है कि ब्रिटेन में पार्टी का समर्थन कमजोर पड़ते ही प्रधानमंत्री बदलने की नौबत जल्दी आ जाती है।

ब्रिटेन की बड़ी पार्टियों के नियम भी नेताओं को हटाने का रास्ता आसान बना देते हैं। कंजर्वेटिव पार्टी में अगर 15% सांसद किसी नेता के खिलाफ चिट्ठी लिख दें, तो उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं, लेबर पार्टी में कोई दूसरा नेता तब दावेदारी पेश कर सकता है, जब उसे पार्टी के 20% से ज्यादा सांसदों और सदस्यों का समर्थन मिल जाए।

फास्ट न्यूज

अमेरिका-ईरान जंग में बिचौलिया बनकर चमकने की कोशिश कर रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली। पिछले कई सालों से कंगाली, आतंकवाद और वैश्विक मंच पर 'थू-थू' झेलने वाला पाकिस्तान इस समय दुनिया के सामने अपनी छवि बदलने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध में अचानक पाकिस्तान एक 'बिचौलिया' बनकर उभरा है।

चांदी आज 5,826 महंगी, 2.37 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में 22 जून को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी 5,826 रुपए बढ़कर 2.37 लाख रुपए पर पहुंची। इससे पहले गुरुवार को इसकी कीमत 2.32 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,694 रुपए बढ़कर 1.46 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक दिन पहले इसकी कीमत 1.44 रुपए थी। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे।

ट्रंप की धमकियों और ईरानी वॉकआउट के बीच हुआ शांति समझौता

बर्न। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की धमकियों और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के कुछ समय के वॉकआउट से पैदा हुए भारी तनाव के बावजूद स्विट्जरलैंड में हुई पहली उच्च स्तरीय अमेरिका-ईरान वार्ता में कई महत्वपूर्ण समझौते हो गए हैं। कतर और पाकिस्तान द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'लेक ल्यूसर्न शिखर सम्मेलन' के समापन की घोषणा की गई है।

कतर के गैस प्लांट में जोरदार धमाका, 54 लोग घायल

दोहा, एजेंसी

कतर के प्रमुख रस लाफान औद्योगिक क्षेत्र स्थित बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में रविवार रात एक भीषण विस्फोट के बाद आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 54 कर्मचारी घायल हो गए हैं, जबकि 18 अन्य अभी भी लापता हैं।

दरअसल, यह हादसा उस वक्त हुआ, जब ईरान की बमबारी और स्टेट ऑफ होर्मुज की नाकबंदी के बाद कर्मचारी टर्मिनल में दोबारा परिचालन शुरू करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान यहां विस्फोट के कारण आग लग गई। दुनिया के शीर्ष प्राकृतिक गैस उत्पादकों में शुमार कतर के इस प्रमुख निर्यात केंद्र में हुए हादसे से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल मच सकती है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर लगाए गए प्रतिबंध के कारण कतर अपने ग्राहकों को गैस की आपूर्ति नहीं कर पा रहा था, जिसके चलते कतर ने अपना उत्पादन बंद कर दिया था। ईरान द्वारा युद्ध के स्थायी अंत के लिए जारी शांति वार्ता के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में अपनी नाकेबंदी ढीली करने के बाद कतर ने पने निर्यात टर्मिनल को फिर से शुरू करने का प्रयास शुरू किया। सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि रविवार रात इसी कार्य के चलते बरजान गैस आपूर्ति संयंत्र में विस्फोट और आग लग गई। जिसमें 54 लोग घायल हो गए, जबकि 18 लोग लापता हैं। विस्फोट के बाद हुए नुकसान का सटीक आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि केवल कुछ ही लोग घायल हुए हैं। लेकिन कुछ घंटों बाद कतर के गृह मंत्रालय ने हताहतों की कहीं अधिक संख्या बताई।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान की भारत को धमकी, भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा

जिस पल पानी पर खतरा लगा हम जंग शुरू कर देंगे : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल ARY न्यूज से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है।

अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाक के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया। इसके बाद 1951 से लेकर 1960 तक वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता में भारत पाकिस्तान में पानी के बंटवारे को लेकर बातचीत चली और आखिरकार 19 सितंबर 1960 को कराची में भारत के PM नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए। इसे इंडस वाटर ट्रीटी या सिंधु जल संधि कहा जाता है।

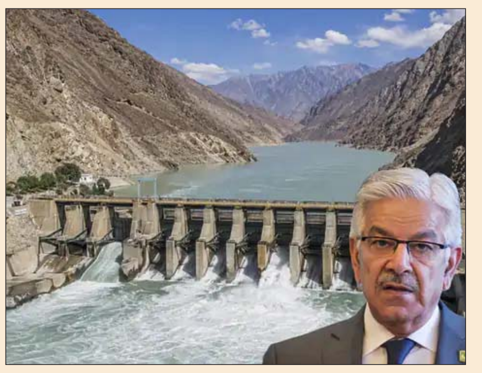

पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30% से 50% तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

गंभीर जल संकट का सामना कर रहा पाकिस्तान

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान इस समय गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। खासकर सिंध और बलूचिस्तान में पानी की कमी लगातार बढ़ रही है। सिंध के सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक-

नॉर्थ वेस्ट कैनाल में 64.1% पानी की कमी है।

राइस कैनाल में 38% की कमी दर्ज की गई है।

दादू कैनाल में 82% तक पानी की कमी है।

पाकिस्तान की सिंचाई व्यवस्था के अहम हिस्से सुक्कुर बैराज को लेकर भी चिंता बढ़ रही है। पानी का स्तर लगातार घटने से कृषि और अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

'ट्रंप के इशारों पर काम नहीं करता'

संबोधन

नेतन्याहू ने लेबनान से सेना हटाने से किया इनकार

- इजरायल और अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों पर स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं
- नागरिकों की सुरक्षा के लिए दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना रहेगी तैनात- नेतन्याहू

यरुशलम, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यरुशलम में JNS समिट को संबोधित करते ट्रंप के साथ अपने संबंधों पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि इजरायल और अमेरिका दोनों स्वतंत्र राष्ट्र हैं और वे अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार कार्य करते हैं। वहीं, स्विटजरलैंड में चल रही अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस बातचीत का परिणाम चाहे जो भी हो, वे ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए जब तक जरूरत महसूस होगी तब तक इजरायली सेना दक्षिण लेबनान के सुरक्षा क्षेत्र में तैनात रहेगी। लेबनान का जिक्र करते हुए नेतन्याहू ने कहा, इजरायल का विवाद ईरान समर्थित हिजबुल्लाह समूह से है, न कि लेबनान से, मुझे उम्मीद है कि अगर हिजबुल्लाह इजरायली सुरक्षा को खतरा देना बंद कर दे तो लेबनान के साथ शांति का रास्ता निकल सकता है।

हमने ईरान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया

यरुशलम में आयोजित जेएनएस शिखर सम्मेलन में नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के साथ मिलकर इजरायली सेना ने इतिहास का सबसे बड़ा हवाई अभियान चलाया और ईरान के परमाणु ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन हमने इस दौरान सिर्फ ईरान पर ही हमला नहीं किया, बल्कि ईरान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

> नेतन्याहू ने कहा, अमेरिका में लोग कहते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप वही करते हैं जो मैं उनसे कहता हूं। वहीं इजरायल में कुछ लोग सोचते हैं कि मैं वही करता हूं जो ट्रंप चाहते हैं। लेकिन दोनों ही बातें गलत हैं। हम ट्रंप के इशारे पर काम नहीं करते। हम आजाद और गौरवशाली देश के नेता हैं।

इजरायल की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता

इजरायली पीएम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता इजरायल की सुरक्षा है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अक्सर अमेरिका-इजरायल की राय एक जैसी होती है। कभी-कभी नहीं भी होती। लेकिन, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हम एक-दूसरे की संप्रभुता, नेतृत्व और अपने लोगों के प्रति प्रतिबद्धता का सम्मान करते हैं।

फिलीपींस के स्कूल में गोलीबारी, 3 छात्रों की मौत

मनीला, एजेंसी

मध्य फिलीपींस के टाक्लोबान शहर स्थित एक स्कूल में सोमवार सुबह अंधाधुंध गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में तीन छात्रों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हो गए।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 9 बजे बरंगाय सैन जोस के एक स्कूल परिसर के भीतर हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एक संदिग्ध नाबालिग को हिरासत में लिया है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने कानून के उल्लंघन में शामिल एक संदिग्ध नाबालिग को हिरासत में ले लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान 'कानून के उल्लंघन में शामिल एक नाबालिग के रूप में हुई है, जो बरंगाय सैन जोस का रहने वाला है।

पुलिस ने घटना की जांच और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है, और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि गोलीबारी की वजह क्या थी? आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसके कारण यह गोलीबारी हुई। फिलहाल पुलिस ने पीड़ितों की पहचान जारी नहीं की है और कहा है कि उनके परिवारों को अभी सूचित नहीं किया गया है।

टाक्लोबन सिटी पुलिस कार्यालय के मुताबिक, घटना के सही कारणों और हमले के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए गहन जांच जारी है। इसके साथ ही, पुलिस अधिकारी हिरासत में लिए गए आरोपी से पूछताछ कर रहे हैं और मामले के दूसरे फरार संदिग्ध की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

टारगेट : जियो आईपीओ से कमाई का रास्ता खुलेगा, न्यू एनर्जी और एआई से ग्रोथ मिलेगी

ब्रोकरेज हाउसेज ने डिकोड की रिलायंस की एजीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के शेयर में आज कारोबार के दौरान 2% से ज्यादा की तेजी है। कंपनी का शेयर 1,345 के स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को हुई 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग (AGM) के बाद कई बड़े ब्रोकरेज हाउसेज ने इसके भविष्य के रोडमैप और जियो इन्फोकॉम के IPO के लिए सेबी (Sebi) के पास दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (DRHP) को लेकर अपनी एनालिसिस रिपोर्ट जारी की है। नोमुरा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 'रिलायंस इंटेलिजेंस' अब प्लानिंग के फेज से निकलकर एग्जीक्यूशन के फेज में आ चुका है।

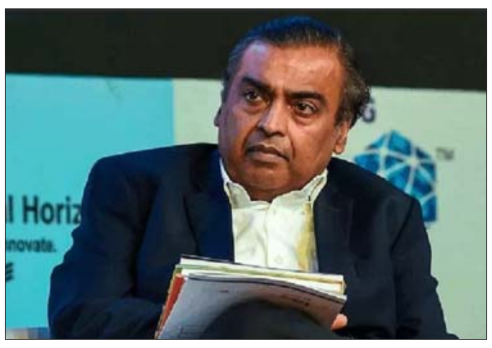

जामनगर में बन रहे सोवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब में वित्त वर्ष 2026 के अंत तक पहले 120 मेगावाट क्षमता को चालू किया जा रहा है। यह रिलायंस के लिए शुरुआती फेज का एक बड़ा कैपेक्स निवेश है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग ने कहा कि कंपनी ने अगले 5 सालों में अपने कंसोलिडेटेड अर्निंग बिफोर इंटरेस्ट, टैक्स, डेप्रिसिएशन एंड अमॉर्टाइजेशन को दोगुना से अधिक करने का लक्ष्य रखा है।

ऑयल-टू-केमिकल्स और दहेज-नागोथने प्रोजेक्ट्स

एमके ग्लोबल के अनुसार, ऑयल-टू-केमिकल्स (O2C) सेगमेंट में ग्रोथ का अगला फेज हाई-वैल्यू केमिकल्स और मैटेरियल्स में निवेश से आएगा। दहेज में 3 mmtpa क्षमता का PTA प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे पॉलिएस्टर वैल्यू चेन में रिलायंस की स्थिति मजबूत होगी। वहीं नागोथने में 1.2 mmtpa क्षमता का PVC प्रोजेक्ट भारत की आयात पर निर्भरता को कम करेगा और इंफ्रास्ट्रक्चर, कंस्ट्रक्शन व कंज्यूमर सेगमेंट की घरेलू मांग को पूरा करेगा। एमके ग्लोबल ने शेयर पर 1,680 के टारगेट प्राइस के साथ बाय रेटिंग दी है।

डिजिटल सेगमेंट रहेगा ग्रोथ ड्राइवर

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के मुताबिक, रिलायंस जियो कंपनी का सबसे बड़ा ग्रोथ ड्राइवर बना रहेगा और डिजिटल सेगमेंट रिलायंस के कुल इंक्रीमेंटल EBITDA में लगभग 80% का योगदान देगा।

वित्त वर्ष 2026-28 के बीच वायरलेस टैरिफ हाइक (वित्त वर्ष-2027 की दूसरी तिमाही में 15% बढ़ोतरी), वायरलेस मार्केट शेयर में बढ़त और होम्स व एंटरप्राइज सेगमेंट के विस्तार से 18% का EBITDA CAGR देखने को मिल सकता है।

कतर पीएम ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति को किया 'इग्नोर'

यूजर्स बोले- क्या बैठक में महाशक्ति की बेइज्जती हुई?

स्विट्जरलैंड, एजेंसी

सोशल मीडिया पर इस समय स्विट्जरलैंड से आया एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर इंटरनेट पर नई बहस छिड़ गई है। दावा किया जा रहा है कि स्विट्जरलैंड में चल रही एक हाई-लेवल बैठक के दौरान कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुर्रहमान अल थानी ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को नजर-अंदाज किया।

हालांकि इस बात को इतनी तबज्जो इसलिए भी दी जा रही है, क्योंकि वायरल वीडियो में ये देखा जा रहा है कि कतर के प्रधानमंत्री अल थानी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का तो गर्मजोशी से स्वागत किया, लेकिन वहीं खड़े जेडी वेंस को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। सोशल मीडिया पर लोग इसे अमेरिका की 'राजनयिक बेइज्जती' के तौर पर देख रहे हैं।

बता दें कि यह पूरा वाकया स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में हुआ, जहां पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और युद्ध को रोकने के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में चार देश अमेरिका, ईरान, पाकिस्तान और कतर शामिल हुए थे। वायरल वीडियो में कतर के विदेश मंत्री अब्बास अराघची, पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के गले मिलते और हाथ मिलाते दिख रहे हैं। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कमरे में थोड़े पीछे खड़े नजर आ रहे हैं, जिनसे किसी ने हाथ नहीं मिलाया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96